E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

12th ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक - 39 | प्रयागराज, गुरूवार 16 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

पोप के जंग खत्म करने वाले बयान पर ट्रम्प नाराज,कहा- उनको कोई बताये 'ईरान ने 42 हजार निहत्थे लोगों को मारा'

वॉशिंगटनडीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर पोप लियो पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि ईरान में पिछले दो महीनों में 42,000 से ज्यादा बेगुनाह और निहत्थे प्रदर्शनकारियों की हत्या हुई है। ट्रम्प ने यह बयान तब दिया, जब पोप लियो ने ईरान के मुद्दे पर बातचीत और शांति की अपील की थी। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका के लिए यह बिल्कुल स्वीकार नहीं है कि ईरान परमाणु बम बनाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कोई पोप को बताए कि ईरान में इतने लोग मारे गए हैं। ईरान के पास परमाणु हथियार होना बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। इससे पहले भी ट्रम्प पोप की आलोचना कर चुके हैं।वहीं पोप ने कहा कि वे राजनीति में नहीं पड़ना चाहते और न ही ट्रम्प के साथ किसी बहस में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनका मकसद सिर्फ शांति की बात करना है और दुनिया में युद्ध खत्म होना चाहिए। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1.अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा है कि ईरानी तेल की बिक्री के लिए दी गई अस्थायी छूट अब कुछ दिनों में खत्म हो जाएगी और इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। 2. यूरोपीय देश युद्ध के बाद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही फिर से सामान्य करने के लिए एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गठबंधन की योजना बना रहे हैं। खास बात यह है कि इस प्रस्तावित मिशन में अमेरिका को शामिल नहीं किया गया है। 3. कनाडा ने लेबनान के लिए 40 मिलियन डॉलर (करीब 330 करोड़ रुपए) की मदद का ऐलान किया है। यह मदद अंतरराष्ट्रीय संगठनों के जरिए पहुंचाई जाएगी। 4. हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 34 सैन्य हमले किए हैं। संगठन के मुताबिक, इन हमलों में इजराइल की बस्तियों, सैनिक जमावड़ों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया। 5. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ बातचीत अगले 2 दिनों में फिर से शुरू हो सकती है पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 15 से 18 अप्रैल 2026 के बीच सऊदी अरब, कतर और तुर्किये का चार दिवसीय दौरा करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर की संभावना जताई जा रही है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया कि शरीफ अपने दौरे के दौरान सऊदी अरब और कतर के नेताओं से मुलाकात करेंगे। तुर्किये में प्रधानमंत्री शरीफ एंटाल्या डिप्लोमेसी फोरम में हिस्सा लेंगे और राष्ट्रपति एर्दोगन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इसके अलावा, वह अन्य वैश्विक नेताओं से भी मुलाकात करेंगे।

इस दौरे में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार भी उनके साथ रहेंगे।

छत्तीसगढ़ पावर प्लांट हादसा

16 लोगो की दुःखद मौत,36 लोग झुलसे- वेदांता मृतकों के परिजन को 35-35 लाख मुआवजा और नौकरी देगी

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में अब तक 16 मौतें हो चुकी हैं। 4 की मौके पर ही जान गई, जबकि 5 की मौत रायगढ़ मेडिकल कॉलेज, 5 की जिला अस्पताल रायगढ़ और

2 की रायपुर के कालड़ा अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया था।हादसे में कुल 36 लोग झुलसे हैं, 18 घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है। फिलहाल 4 मृतकों की पहचान ठंडाराम और पप्पू कुमार और अमृत लाल पटेल (50) और यूपी के बृजेश कुमार के रूप में हुई हैं। बाकी की पहचान की जा रही है। हादसे के बाद प्लांट के बाहर मजदूरों के परिजन ने हंगामा किया। उन्होंने प्रबंधन पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग की। कुछ मजदूर लापता हैं। परिजन का कहना है कि प्रबंधन कोई जानकारी नहीं दे रहा है। वहीं कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। वेदांता प्रबंधन ने मृतक परिजन को 35-35 लाख रुपए सहायता राशि और नौकरी देने का ऐलान किया है। घायलों को 15-15 लाख रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले पीएमओ ने मुआवजे की घोषणा की थी। पीएमएनआरएफ से हर मृतकों के परिवार वालों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मृतकों के परिवार वालों को 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया। प्लांट हादसे में घायल 10 लोगों का इलाज रायगढ़ के जिंदल अस्पताल में चल रहा है। सभी 15फीसदी से लेकर 95-100फीसदी तक झुलसे हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इनमें मनीष गिरी, कार्तिक महतो, बृजेश कुमार, केशव चंद्रा, भुवनेश्वर चंद्रा, अभिषेक चंद्रा, नदीम अंसारी, मिलन वारे, संदीप और शिवनाथ मुर्मू शामिल हैं। इसके अलावा, बालाजी मेट्रो हॉस्पिटल रायगढ़ में बनवारी लाल, उपेंद्र और परदेशी लाल चंद्रा का इलाज जारी है। प्लांट सिक्योरिटी हेड प्रेम झा का कहना है कि हादसे में कुल 36 लोग घायल हुए हैं, जिसमें से 12 लोग छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। बाकी लोग बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड के हैं। बॉडी जल हो गई है, इसलिए पहचान करने में मुश्किल हो रही है। अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे में अपनों को खो चुके माधव प्रसाद यादव ने बताया कि उसका छोटा भाई उद्धव सिंह यादव लापता है। न घर आया है और न ही अस्पताल में मिल रहा है। प्लांट प्रबंधन भी कोई जानकारी नहीं दे रहा है। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने कहा कि रायगढ़ के फोर्टिस हॉस्पिटल को छोड़कर रायपुर के डीकेएस हॉस्पिटल को भी आकस्मिक स्थिति और बेहतर इलाज के लिए तैयार रहने को कहा गया है। इस घटना की मजिस्ट्रियल जांच करने के आदेश दिए हैं। जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मृतकों के परिजनों को 1-1 करोड़ और घायलों को 50-50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की है। बैज ने कहा कि इस घटना में 14 मजदूरों की मौत और 34 लोगों के घायल होने की खबर बेहद पीड़ादायक है।

सम्राट चौधरी बिहार के 24वें मुख्यमंत्री,जेडीयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली

पटना। सम्राट चौधरी बिहार 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने

ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी सीएम बनाया गया है। नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है। सम्राट चौधरी ने सुबह पंचमुखी हनुमान मंदिर में पूजा की थी। शपथ से पहले ही उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। सरकार में बदलाव सोमवार को नीतीश कुमार के इस्तीफा देने के बाद हुआ। वे अब राज्यसभा सदस्य हैं। वे 20 साल बिहार के सीएम रहे। सम्राट चौधरी राजभवन से निकल गए हैं। इस दौरान राजभवन के बाहर खड़े उनके समर्थकों ने सम्राट जिंदाबाद के नारे लगाए। सम्राट ने गाड़ी से ही हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। रोहिणी आचार्या ने एक्स पर लिखा- घोर बेईज्जती..चौबीस घंटे भी नहीं हुए और चाचा जी पोस्टर - विज्ञापन से भी गायब कर दिए गए... इस्तीफे के पहले तक, चाचा जी के बिदकने की आशंका में , चाचा जी को ये कह कर ताड़ पर चढ़ाया जा रहा था कि 'बिहार चाचा जी के हिसाब से, उनकी ही छत्रछाया में चलाया जाएगा', मगर इस्तीफा होते ही गिरगिट की तरह रंग बदलने वाली जमात को चाचा जी की छाया व तस्वीर से भी ऐतराज हो गया ..चाचा जी आज जिस सिचुएशन में फंसे हैं, उसके लिए ही कहा गया है ' दुविधा में दोनों गए, माया मिली न राम' ..डिप्टी सीएम विजय चौधरी बोले- नीतीश मॉडल पर चलते रहेंगे- विजय कुमार चौधरी ने बिहार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर कहा, 'मैंने जो आज शपथ ली है, इसके लिए मैं नीतीश कुमार के प्रति आभार प्रकट करता हूं। ये उन्हीं के विश्वास का नतीजा है कि मुझे ये जिम्मेदारी मिली है... जो उनके(नीतीश कुमार) रास्ते हैं, उनकी नीतियां हैं, उनके तरीके हैं, उनके कार्यक्रम है, उनके तरीके हैं, उनकी कार्यशैली है उसी पर चलने का काम हम करेंगे।'

नेपाल की नई विदेश नीति का ऐलान, भारत और चीन को लेकर पीएम बालेन का बड़ा फैसला,सैन्य गुटों से दूरी बनाई

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने नई विदेश नीति का ऐलान किया है। इसमें 'नेपाल सबसे पहलेः नेपाली सबसे पहले' के सिद्धांत को प्राथमिकता दी गई है। नेपाल की नई विदेश नीति कई मायनों में पूर्ववर्ती सरकारों से अलग है। इसमें नेपाल की संप्रभुता के साथ-साथ आर्थिक विकास पर सबसे ज्यादा जोर है। इसके अलावा पड़ोसी देशों के साथ भी बराबरी के संबंध रखने की बात कही गई है। पीएम बालेन शाह की विदेश नीति की सबसे खास बात नेपाल को 'बफर स्टेट' से बदलकर एक 'ब्रिज' के रूप में बनाना है, जो आर्थिक साझेदारी और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा। नई विदेश नीति में यह भी कहा गया है कि नेपाल किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं होगा।

नेपाल की विदेश नीति से संबंधित कागजात में लिखा है, 'नेपाल की संप्रभुता, भौगोलिक अखंडता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए, वैश्विक भू-राजनीति में हो रहे बदलावों और पड़ोसी शक्तियों के उदय को नेपाल के विकास के अवसर में बदलने के लिए एक संतुलित और गतिशील कूटनीति अपनाई जाएगी। नेपाल के राजनयिक मिशनों के कार्यों और जिम्मेदारियों, उनकी गतिविधियों और परिणामों का आकलन करने के लिए एक वैज्ञानिक 'प्रदर्शन लेखापरीक्षा' प्रणाली शुरू की जाएगी।' इसमें भारत-चीन संबंधों को लेकर लिखा है, 'नेपाल की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए, नेपाल को एक 'बफर स्टेट' से एक 'जीवंत सेतु' में परिवर्तित किया जाएगा, जो त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और संपर्क के माध्यम से राष्ट्रीय हितों को सुनिश्चित करेगा और विश्व शांति पर आधारित एक स्वतंत्र, तटस्थ और गुटनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में नेपाल को विश्व मंच पर स्थापित करेगा।' बालेन शाह की सरकार ने भारत और चीन से परस्पर दूरी बनाने और स्वतंत्र विदेश नीति की बात भी कही है। उन्होंने लिखा, 'सभी के साथ समान दूरी और निकटता की नीति अपनाई जाएगी, यह मानते हुए कि कोई भी सैन्य गठबंधन, हथियारों की होड़ और युद्ध शांति में बाधक होगा। 'नेपाल प्रथमः नेपाली प्रथम' की अवधारणा को सभी कूटनीति के केंद्र में रखा जाएगा। आर्थिक कूटनीति को बढ़ावा देने के साथ-साथ सागरमाथा संवाद जैसे कार्यक्रम जारी रखे जाएंगे।' नेपाली सरकार ने आगे बताया, नई विदेश नीति में जलवायु परिवर्तन, हिमालय संरक्षण, पर्वतीय मुद्दों और चारों ओर से भू-भाग से घिरे देशों के साझा हितों के मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर नेपाल की आवाज बुलंद की जाएगी। विदेशों में कार्यरत नेपाली कामगारों के अधिकारों, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा।

अमेरिका की होर्मुज नाकेबंदी तोड़ने के लिए चीन उतारेगा अपनी 'महाशक्तिशाली' नेवी?

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी के फैसले ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। अमेरिकी नेवी ने

सोमवार से होर्मुज समुद्री गलियारे से गुजरने वाले जहाजों का रास्ता ब्लॉक किया है। इस पर भड़के चीन ने ऐलानिया कहा है कि हमें कोई तीसरा देश ईरान से अपने जहाज लाने से नहीं रोक सकता है। दूसरी ओर अमेरिका ने धमकी दी है कि ईरान से आने वाले चीन के ऑयल टैंकर रोके जाएंगे। इससे बढ़ते तनाव के बीच ये सवाल तेजी से उभरा है कि क्या चीन अपनी नेवी को होर्मुज की तरफ भेजेगा। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान पर 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है। चीन ने ईरान पर हमले का विरोध किया है लेकिन अब तक उसका रुख काफी संतुलित रहा है। हालांकि अब यह टकराव चीन को अपनी चपेट में लेता दिख रहा है। इसकी वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की स्थिति है। अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी के निशाने पर ईरान के साथ चीन भी है। ईरान के तेल का सबसे बड़ा खरीदार चीन है। चीन के कुल तेल आयात का 40 फीसदी हिस्सा होर्मुज के समुद्री रूट से होकर गुजरता है। ट्रंप प्रशासन ने इससे पहले चीन को वेनेजुएला से तेल हासिल करने से रोक चुका है। अब वह चीन को ईरान से तेल हासिल करने से रोकने की कोशिश कर रहा है। चीनी रक्षा मंत्री ने अमेरिकी को उसके जहाजों से दूर रहने की चेतावनी दी तो ट्रंप के वित्त मंत्री ने कहा है कि चीन अब ईरानी तेल को भूल जाए। यह स्थिति दोनों पक्षों में एक टकराव की जमीन तैयार कर रही है। खासतौर से चीन की ईरानी तेल पर निर्भरता और क्षेत्र में प्रभाव के लिहाज से बीजिंग इस क्षेत्र को आसानी से नहीं छोड़ने जा रहा है। कनाडाई भू-राजनीतिक विशेषज्ञ दिमित्री लास्करिस कहते हैं, 'अमेरिका का कदम ना केवल ईरान के खिलाफ तनाव बढ़ाने वाला है बल्कि यह चीन के से भी तनातनी को बढ़ावा देता है। ईरान और खाड़ी देशों से मिलने वाले तेल पर बीजिंग की निर्भरता इतनी ज्यादा है कि नाकेबंदी उसे विचलित करते हुए कड़े कदम उठाने पर मजबर कर सकती है।' प्रोफेसर झांग लुन ने डीडब्ल्यू से बात करते हुए कहा कि वॉशिंगटन का यह कदम चीन को इस टकराव में खींच लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह चीन पर प्रेशर बनाने के लिए है ताकि वह ईरान पर समझौते के लिए दबाव डाले। ये साफ है कि अमेरिकी नौसेना का चीन से जुड़े किसी तेल टैंकर को रोकने का प्रयास भारी तनाव पैदा कर सकता है।

चीनी जहाज बढ़ाएंगे उपस्थिति बीते कुछ महीनों में चीनी नेवी के जहाजों ने इस इलाके में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य के पास स्थित जिबूती में अपने बेस से चलने वाले जहाज खाड़ी के करीब आए हैं। चीन ने फरवरी में ही ओमान की खाड़ी के पास अपने एक ताकतवर डिस्ट्रॉयर (जंगी जहाज) को तैनात किया था।

एमपी के नर्मदापुरम में पारा 42से. पार,महाराष्ट्र-तेलंगाना में लू की चेतावनी,केदारनाथ और बद्रीनाथ में बर्फबारी

लखनऊ। देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान बढ़ने लगा है। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र

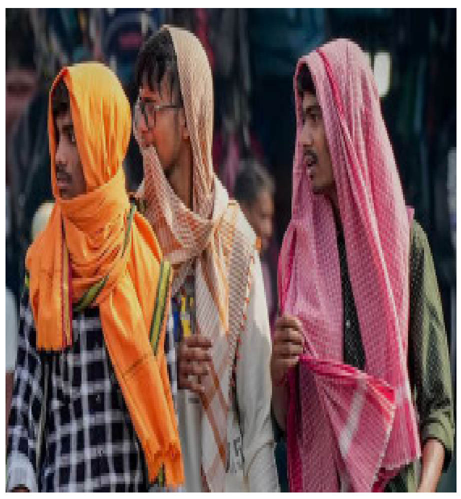

प्रदेश और ओडिशा में पारा 40से. के पार पहुंच गया है। राजस्थान में मंगलवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। बाड़मेर और जैसलमेर में तापमान 41से. के पार पहुंच गया। मध्य प्रदेश के तीन जिलों में भी पारा 40से. से ऊपर रहा, जहां नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा 42.1से. दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के बांदा में अधिकतम तापमान 40.4से. रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो सप्ताह में तापमान 6 से 8से. तक बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। वहीं, आईएमडी ने जम्मू-कश्मीर और असम समेत कई राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। केदारनाथ और बद्रीनाथ में बर्फबारी हुई। अगले दो दिन के मौसम का हाल-16 अप्रैलः असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश के साथ 30-50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में हल्की बर्फबारी की संभावना है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी हल्की बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में लू चलने की शुरुआत होगी। तेलंगाना और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में तापमान बढ़ेगा। 17 अप्रैलः पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में हल्की से बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। हिमाचल प्रदेश में हल्की बारिश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में बर्फबारी के साथ ओले गिरने की संभावना है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भी गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में लू चलेगी, जबकि पश्चिमी राजस्थान और झारखंड में भी हीटवेव की शुरुआत हो सकती है।

पाकिस्तानी मिसाइलों पर क्यों भड़कीं थीं तुलसी गबाई? अमेरिकी डर की असल वजह!

वॉशिंगटन। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबाई ने 18 मार्च को सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी को बताया था कि पाकिस्तान शायद एक ऐसा आईसीबीएम इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल बना सकता है जो अमेरिकी धरती पर हमला करने में सक्षम हों। तुलसी गबाई के इस दावे से वॉशिंगटन परेशान हो गया था तो इस्लामाबाद घबरा गया था कि अमेरिका ने इसकी चोरी पकड़ ली है। इसमें कोई शक नहीं कि पाकिस्तान के पास फिलहाल आईसीबीएम मिसाइलें नहीं हैं लेकिन वो काम कर रहा है। पाकिस्तान भविष्य में आईसीबीएम मिसाइल बना लेगा अमेरिका ने ये चिंता जताई थी। लेकिन पाकिस्तान के ही कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका के डर की असल वजह पाकिस्तान की भविष्य में आईसीबीएम मिसाइल बनाने की क्षमता नहीं है। असल में अमेरिका आईसीबीएम का डर

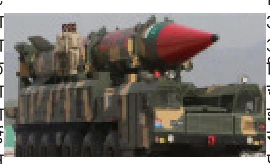

ध्यान भटकाने के लिए दिखा रहा है। वो असली मुद्दे से ध्यान भटका रहा है। असल में अमेरिका का डर पाकिस्तान की 'टेक्टिकल मिसाइलें हैं। तकनीकी और आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान के पास वर्तमान में कोई आईसीबीएम यानी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (5,500 किमी से ज्यादा रेंज वाली) नहीं है। डिफेंस वेबसाइट Quwa में पाकिस्तान के एयरोस्पेस इंजीनियर असीम ने इसपर बात की है। असीम के पास फ्लाइट डायनामिक्स और कंट्रोल में पीएचडी है और फाइटर प्रोग्राम्स और मिसाइल गाइडेंस में प्रैक्टिकल अनुभव है। असीम ने कहा कि अमेरिका ने जिन पांच देशों के नाम लिए उनमें पाकिस्तान के अलावा चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान है। लेकिन उसने भारत का नाम नहीं लिया जबकि भारत के पास अग्नि 5 आधिकारिक परीक्षण भी कर चुका है। पाकिस्तान इस हफ्ते भी एक मिसाइल का ने उत्तरी अरब सागर के एक बड़े हिस्से में नोटम जारी किया है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान क्रूज मिसाइल का परीक्षण कर सकता है। पाकिस्तान के NOTAMऔर उससे जुड़ी समुद्री चेतावनी ने 14 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच कराची, ओरमारा, ग्वादर और सोनमियानी के पास के समुद्री इलाकों में एक बड़ा प्रतिबंधित क्षेत्र स्थापित कर दिया है।

पाकिस्तान में पल रहे हमास के लड़ाके! सीनेटर मुशाहिद हुसैन का बड़ा खुलासा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने पहली बार सार्वजनिक मंच से हमास के लड़ाकों को ट्रेनिंग देने की बात कबूल की है। पाकिस्तानी सीनेटर मुशाहिद हुसैन ने कबूला है कि उन्होंने पाकिस्तान के नेवी वॉर कॉलेज में दो फिलिस्तीनी कैडेट्स को देखा था। उन्होंने कहा कि उन फिलिस्तीनी कैडेट्स को पाकिस्तान में ट्रेनिंग दी जा रही थी। इस खुलासे को इजरायल और भारत के लिए चिंता की बात माना जा रहा है। हमास से पाकिस्तान की नजदीकी न तो भारत के लिए अच्छा है और ना इजरायल के लिए। इससे पहले हमास के कई वरिष्ठ नेता नियमित रूप से पाकिस्तान का दौरा करते रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया को दिए इंटरव्यू में सीनेटर मुशाहिद हुसैन ने कहा, 'कल, या उससे एक दिन पहले, मैं पाकिस्तान नेवी वॉर कॉलेज में था। वहाँ दो फिलिस्तीनी कैडेट थे। हम किसी भी पाकिस्तानी सैन्य संस्थान में जाएं, वहां हमें ऐसे फिलिस्तीनी अधिकारी मिलते हैं जिन्हें पाकिस्तान में ट्रेनिंग दी जा रही है। और हाल ही में, जाहिर है, हमने हमास के कुछ लड़ाकों को भी स्वीकार किया, और साथ ही गाजा से आए उन शरणार्थियों को भी, जो पढ़ाई कर रहे थे; हमने उन्हें स्कॉलरशिप दीं–वे लड़के और लड़कियां जो बेघर हो गए थे और अनाथ थे–ताकि वे पाकिस्तानी शिक्षण संस्थानों में अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।' पाकिस्तान के हमास के साथ संबंध बहुत पुराने हैं। पाकिस्तान शुरू से ही फिलिस्तीन राष्ट्र के लिए हमास के हथियारबंद आंदोलन का समर्थक रहा है। वैसे तो पाकिस्तान के हमास के साथ कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं, लेकिन फिलिस्तीनी मुद्दे पर दोनों एक साथ दिखाई देते हैं। पाकिस्तान आधिकारिक तौर पर 'फिलिस्तीन मुक्ति संगठन' (पीएलओ) और 'फिलिस्तीनी प्राधिकरण' को ही फिलिस्तीन का असली प्रतिनिधि मानता है। वह हमास को औपचारिक मान्यता नहीं देता। इसके बावजूद वह हमास के लड़ाकों को ट्रेनिंग दे रहा है। 2006 में जब हमास ने फिलिस्तीनी चुनाव जीता था, तब हमास के तत्कालीन विदेश मंत्री महमुद अल-जहर ने पाकिस्तान का दौरा किया था। इस दौरान पाकिस्तानी सरकार से फिलिस्तीन के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया था। पाकिस्तान के वरिष्ठ राजनेता और धार्मिक नेता हमेशा से ही हमास के समर्थक रहे हैं।

रोजगार मेला राजकीय आईटीआई, में अशोक लीलैंड उत्तराखंड के द्वारा साक्षात्कार का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राजकीय औद्योगिक

प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली के प्रधानाचार्य विवेक कुमार तिवारी ने बताया कि उनके संस्थान में दिनांक 17/04/2026 को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे अशोक लीलैंड पंतनगर ,उत्तराखंड के लिए अप्रेंटिसशिप के लिए 200 पदों पर भर्ती होगी। इस मेले में व्यावसाय फिटर, मोटर मेकेनिक,वेल्डर, टर्नर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रिशियन, मेकेनिक कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक, आर0 ए0 सी0,मशिनिष्ट, शीट मेटल वर्कर,ट्रेक्टर मेकेनिक, इलेक्ट्रिकल वाईन्डर, मेकेनिक मशीन टूल मेंटिनेंस, पॉवर इलेक्ट्रिशियन, मेकेनिक डीजल, मेकेनिक ऑटो इलेक्ट्रॉनिक्स, मेकेनिक ऑटो इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक से उत्तीर्ण अभ्यर्थी जिनकी उम्र सीमा अप्रेंटिस हेतु 18 से 21.6 वर्ष, है और स्टाइपेंड 15000/- रुपये प्रतिमाह देय है। साथ में कंपनी के नियमानुसार कैंटीन की सुविधा वर्दी जूता अन्य मुफ्त में देय है। ऐसे ट्रेनीज जो वर्ष 2026 में अंतिम वर्ष की परीक्षा में बैठ रहे वे भी पात्र है,इच्छुक अभ्यर्थी अपना संक्षिप्त बायोडाटा सभी अंक पत्रों एवं तकनीकी प्रमाण पत्रों की छाया प्रति आधार कार्ड,बैंक पासबुक की फोटो कॉपी, पुलिस सत्यापन रिपोर्ट,(यदि उपलब्ध है तो)लेकर प्रातः 09:00 बजे से 3:00 बजे तक सम्मिलित हो सकते हैं। चयन प्रक्रिया लिखित व साक्षात्कार के माध्यम से होगा।

भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में समस्त ग्राम पंचायतों में चलाया गया स्वच्छता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशन व जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह के मार्गदर्शन में मंगलवार को भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में जनपद की समस्त 980 ग्राम पंचायतों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें सफाई कर्मचारियों के माध्यम से जिन जिन ग्राम पंचायत में डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा एवं अंबेडकर पार्क स्थापित है, उन स्थानों की साफ सफाई और चूना डलवाए जाने का कार्य कराया गया। साथ ही संचारी रोग नियंत्रण अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायतों में झाड़ी कटाई, नाली सफाई, उथले हैंडपंप का चिन्हीकरण, एंटी लार्वा एवं दवा का छिड़काव तथा फॉगिंग आदि का कार्य कराया गया।

सेक्टर 82 पॉकेट 7 में धूमधाम से मनाई गई अम्बेडकर जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। संविधान शिल्पी बाबा साहेब की सरकार बनानी होगी। सदियों से जो अपमानित हुए उन्हें सम्मान संविधान को बचाने के संकल्पित हैं। इस अवसर पर महानगर

डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पॉकेट 7 सेक्टर 82 में मंगलवार को धूम धाम से मनाई गई। सपा कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनको याद किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा कि बाबा साहेब के कारण ही आज गरीबों , दलितों, शोषितों को उनका अधिकार मिल पाया है। बीजेपी सरकार संविधान को खत्म करना चाहती है। अगर संविधान को बचाना है तो 2027 में अखिलेश यादव जी दिलाने का काम बाबा साहेब ने किया।इस अवसर पर पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को अधिकार दिलाने वाले बाबा साहेब को उनकी जयंती पर नमन करता हूं। बाबा साहेब ने गैर बराबरी , छुआछूत , असमानता , अशिक्षा के खिलाफ एक लंबी लड़ाई लड़कर न्याय दिलाने का काम किया। सत्ताधारी संविधान को खत्म करने पर तुले हुए हैं वहीं हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता, पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे, रंजीत पटेल, गुड्डू चौधरी, संतोष यादव, कृपाल यादव, खेमचंद, बच्चे लाल, सतपाल सिंह, सेंसरपाल, सुशील पाल, पप्पू सिंह, बरकत अली, प्रमोद यादव, सोनवीर सिंह , सुशील पाल, रामबीर यादव, बिल्लू , किरणपाल यादव, सुभाष गुप्ता, जयपाल सिंह पाल , राजेश महाले, जितेंद्र सिंह , छोटे लाल सहित तमाम सपा नेता मौजूद रहे।

स्वर्ण पदक जीतने पर कु0 आस्था सेन को सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ग्वालियर। संत शिरोमणि श्री सेन

जी महाराज की जयंती के शुभ अवसर पर, हमारे सेन समाज की बिटिया - कु.आस्था सेन पुत्री मंगल सेन को, श्री गणेश मंदिर कंपू पर बर्तमान अध्यक्ष एवं कमेटी मेंबर तथा समाज के बरिष्ठजनों एवं समाज की महिला शक्ति द्वारा सम्मानित किया गया। कु. आस्था सेन ने एशियन रिजनल चैंपियनशीप - श्री लंका में आयोजित जू-जित्सू प्रतियोगिता में पाकिस्तान की खिलाडी को हराकर स्वर्ण पदक हासिंल किया। हम सभी कु.आस्था सेन एवं उनके परिवार को बहुत बधाई देते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं,कि कु.आस्था, सेन समाज और भारतवर्ष का यूं सम्मान बढ़ाती रहें। हमारे समाज के अधिक से अधिक बच्चे, इसी तरह किसी न किसी क्षेत्र में सेन समाज का और भारत देश का नाम रौशन करें।

सिर्फ नाम नहीं, विचारों को अपनाए देश - मुकेश रस्तोगी

भारत रत्न से भी ऊपर सम्मान की मांग तेज, डॉ. भीमराव अम्बेडकर के नाम पर राजनीति पर उठे सवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश संगठन

मंत्री मुकेश रस्तोगी ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बयान जारी करते हुए कहा है कि भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर को 'भारत रत्न' से भी बड़े किसी सर्वोच्च सम्मान से नवाजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा कोई सम्मान वर्तमान में मौजूद नहीं है, तो केंद्र सरकार को अम्बेडकर जी के अतुलनीय योगदान को देखते हुए एक नए सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान की स्थापना करनी चाहिए। श्री रस्तोगी ने कहा कि आज देश में लगभग सभी राजनीतिक दल डॉ. अम्बेडकर के नाम का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन उनके विचारों और सिद्धांतों को धरातल पर लागू करने में गंभीरता की कमी दिखाई देती है। उन्होंने विशेष रूप से सत्ताधारी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि अम्बेडकर जी के नाम पर योजनाओं और स्मारकों की घोषणा तो की जाती है, लेकिन सामाजिक समानता, शिक्षा और आर्थिक न्याय के मुद्दों पर ठोस कार्य अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान शासन में अम्बेडकर जी के मूल विचार - 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' को नजरअंदाज किया जा रहा है। दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों की वास्तविक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा, जो चिंताजनक है। श्री रस्तोगी ने कहा कि केवल प्रतीकात्मक सम्मान देकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन संघर्ष और आत्मबल का अद्वितीय उदाहरण है। अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने सामाजिक भेदभाव और छुआछूत जैसी कुरीतियों के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। उन्हें स्कूलों में भेदभाव सहना पड़ा, सार्वजनिक स्थानों पर अपमान झेलना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए उन्होंने विदेशों का रुख किया और कोलंबिया विश्वविद्यालय तथा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से उच्च डिग्रियां हासिल कर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी भूमिका ऐतिहासिक रही है। उन्होंने एक ऐसे संविधान की रचना की, जिसमें सभी नागरिकों को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी दी गई। उन्होंने महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के हित और सामाजिक न्याय के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। श्री रस्तोगी ने यह भी कहा कि यदि देश वास्तव में अम्बेडकर जी को सम्मान देना चाहता है, तो केवल भारत रत्न पर्याप्त नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि 'संविधान शिल्पकार सम्मान' या 'विश्व सामाजिक न्याय रत्न' जैसे नए सर्वोच्च सम्मान की स्थापना की जाए, जो उनके वैश्विक योगदान को मान्यता दे सके। श्री रस्तोगी ने देश के सभी सामाजिक, व्यापारिक और राजनीतिक संगठनों से अपील की कि वे इस मांग का समर्थन करें और सरकार पर दबाव बनाएं, ताकि डॉ. अम्बेडकर जी को उनके कद के अनुरूप सर्वोच्च सम्मान दिया जा सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अम्बेडकर जी के विचारों को लागू करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी, न कि केवल राजनीतिक मंचों पर उनका नाम लेना।

ट्रांसपोर्ट नगर में अनियमितताओं के खिलाफ भाकियू का अनिश्चितकालीन धरना पांचवें दिन भी जारी, धरना स्थल पर बाबा साहब एवं आर्यभट्ट की जयंती मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज के ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में सीवर लाइन एवं सड़क

निर्माण कार्यों में व्याप्त भारी अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और मानकों की अनदेखी के विरोध में भारतीय किसान यूनियन का अनिश्चितकालीन धरना जारी है। आज युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह के नेतृत्व में धरना स्थल पर संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं शून्य के खोजकर्ता महान गणितज्ञ आर्यभट्ट की जयंती बड़े सम्मान, गरिमा और सामाजिक एकता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान, मजदूर, महिलाएं एवं युवा शामिल हुए और सामाजिक न्याय, समानता तथा संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया गया। धरना स्थल पर मौजूद किसानों ने निम्न प्रमुख मुद्दे उठाएः-1. निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार एवं मानकों की अनदेखी,2. पहले सड़क बनाकर बाद में उसे तोड़कर सीवर लाइन डालना, 3. अधूरे और अव्यवस्थित कार्यों के कारण आम जनता को भारी परेशानी, 4.जगह-जगह गहरे गड्ढों से दुर्घटनाओं का खतरा, 5. संबंधित अधिकारियों की लापरवाही और जवाबदेही का अभाव। यह पूरा निर्माण कार्य बिना योजना और गुणवत्ता के किया जा रहा है, जिससे न केवल जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि सरकारी संसाधनों का भी दुरुपयोग हो रहा है। साथ ही, संगठन के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक कल दिनांक 15 अप्रैल को सुबह 11:00 बजे धरना स्थल पर आयोजित की जाएगी, जिसमें 16 अप्रैल को नगर आयुक्त कार्यालय पर प्रस्तावित बड़े आंदोलन की रणनीति एवं रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की जाएगी और महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। भारतीय किसान यूनियन ने चेतावनी दी है कि जब तक दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई नहीं की जाती, निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक यह अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। यह आंदोलन अब केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों, पारदर्शिता, जवाबदेही और न्याय की व्यापक लड़ाई का प्रतीक बन चुका है।

धरना प्रदर्शन स्थल पर युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह के नेतृत्व में मंजू पाठक, सुषमा पाल, पूनम, पंकज पासी, एडवोकेट मोहम्मद तारिक, परमेश निषाद, शुभम तिवारी, आशु पासी, परमेश निषाद, दितिन, अमित समेत बड़ी संख्या में किसान मजदूर महिलाएं शामिल रही।

भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़ी पाण्डुलिपियों एवं दुर्लभ ज्ञान ग्रन्थों आदि का होगा वैज्ञानिक संरक्षण डिजिटलीकरण एवं अभिलेखीकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार भारत की समृद्धि ज्ञान परम्परा और बौद्धिक विरासत को ज्ञान भारत मिशन के अन्तर्गत देश भर में उपलब्ध भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़ी पाण्डुलिपियों एवं दुर्लभ ज्ञान ग्रन्थों आदि का वैज्ञानिक संरक्षण डिजिटलीकरण एवं अभिलेखीकरण किया जायेगा, जिससे यह धरोहर शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को प्राचीन ज्ञान दर्शन साहित्य एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचय करा सके तथा विकसित भारत-2047 के अन्तर्गत डिजिटल इण्डिया के दृष्टिकोण और विरासत एवं विकास के राष्ट्रीय संकल्प को समृद्ध कर सके। ज्ञान भारत मिशन के अन्तर्गत उ0प्र0 की समृद्ध ज्ञान परम्परा सांस्कृतिक धरोहर एवं बौद्धिक विकास के महत्वपूर्ण साक्ष्य प्राचीन पाण्डुलिपियों ताड पत्रों एवं दुर्लभ अभिलेखों (निजी एवं सरकारी) का संरक्षण भी किया जाना है। इस हेतु राष्ट्र व्यापी राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान 16 मार्च 2026 से प्रारम्भ किया गया है। जनपद में ज्ञान भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समिति का गठन किया है। उन्होंने बताया है कि राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अन्तर्गत- जनपद स्तर पर ऐसी सरकारी एवं गैर सरकारी समस्त संस्थाओं (मठ मन्दिर, शैक्षणिक संस्थान, निजी संगठन, पुस्तकालय आदि) व व्यक्तियों जिनके पास पाण्डुलिपियों, दुर्लभ ग्रन्थों आदि का संग्रह हो का चिन्हीकरण कराते हुए उनकी सूची तैयार की जायेगी। पाण्डुलिपियों का तात्पर्य कागज, भोजपत्र, ताडपत्र, कपडा, धातु आदि पर हाथ से लिखे गए ग्रन्थ जो न्यूनतम 75 वर्ष प्राचीन हो, से है। जिला स्तर पर तैयार की जाने वाली सूची में संस्था व व्यक्ति का नाम, संस्था के प्रभारी का नाम, ई-मेल एवं मोबाइल नम्बर तथा पाण्डुलिपियों/ग्रन्थों/अन्य अभिलेखों की अनुमानित संख्या का स्पष्ट उल्लेख किया जायेगा। प्रत्येक केन्द्र तथा व्यक्ति के पास उपलब्ध पाण्डुलिपियों की सूची भी संकलित की जायेगी। उन्होंने बताया है कि सर्वेक्षण कार्य 16 मार्च 2026 से प्रारम्भ किया गया है जिसको आगामी 3 माह पूर्ण किया जाएगा। जनपद में सर्वेक्षण कार्य ''ज्ञान भारतम एप'' मोबाइल एप्लीकेशन जो गूगल प्ले स्टोर/एप स्टोर पर निःशुल्क डाउनलोड हेतु उपलब्ध है, के माध्यम से किया जाएगा। जनपद में ज्ञान भारत मिशन के सफल क्रियान्वयन एवं पर्यवेक्षण हेतु जनपद स्तर पर मुख्य विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

'वसुधैव कुटुंबकम की भावना को साकार करते नवोदय विद्यालय, शिक्षा के साथ संस्कारों का भी दे रहे संदेश-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

देश भर में नवोदय विद्यालय के 17 लाख से अधिक पुरा विद्यार्थियों का नेटवर्क समाज को नई दिशा देने के लिए तत्पर-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव,नवोदय ने हम सभी को बहुत कुछ दिया है, अब 'पे बैक टू सोसाइटी' की जरुरत-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) आज़मगढ़। शिक्षा ही वह रोशनी है, जिससे एक समृद्ध, सक्षम और विकसित भारत गढ़ा जा सकता है। एक सरकारी संस्थान होने के बावजूद नवोदय विद्यालय अपनी उत्कृष्ट शिक्षा व बेहतर परीक्षा परिणामों की वजह से आज शीर्ष पर है। राजनीति, प्रशासन, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, शैक्षणिक, सैन्य सेवाओं से लेकर विभिन्न प्रोफेशनल सेवाओं, बिजनेस और सामाजिक सेवाओं में नवोदयन्स पूरे भारत ही नहीं वरन पूरी दुनिया में पहचान बना रहे हैं। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री राजीव गाँधी जी की प्रेरणा से 13 अप्रैल, 1986 को दो नवोदय विद्यालयों से आरंभ हुआ यह सफर आज 661 तक पहुँच चुका है। नवोदय अपनी स्थापना के 40 साल पूरा कर रहा है। देश भर में नवोदय विद्यालय के 17 लाख से अधिक पुरा विद्यार्थियों का नेटवर्क समाज को नई दिशा देने के लिए तत्पर है। 'वसुधैव कुटुंबकम' एवं 'शिक्षार्थ आइए, सेवार्थ जाइए' की भावना से प्रेरित नवोदय में जाति, संप्रदाय, क्षेत्र से परे सिर्फ राष्ट्र प्रेम की भावना है। उक्त उद्गार नवोदय विद्यालय, आज़मगढ़ के पुरा छात्र एवं पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने 'नवोदय स्थापना दिवस' पर व्यक्त किये। नवोदय विद्यालय से सिविल सर्विसेज में चयनित आरंभिक विद्यार्थियों में रहे पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि, वर्ष 2001 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भारत की प्रतिष्ठित

सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होने के उपरांत पिछले 24 सालों में देश के विभिन्न भागों में पदस्थ रहा, परन्तु इतना अवश्य कहूँगा कि यदि मैं नवोदय विद्यालय में नहीं रहता तो शायद ही यहाँ तक पहुँच पाता। श्री यादव ने कहा कि, मुझे गर्व है कि मैं नवोदय का हिस्सा रहा हूँ। हमारे व्यक्तित्व और कैरियर के निर्माण में नवोदय का बहुत बड़ा योगदान रहा है। नवोदय ने हमें सिखाया कि सपने सिर्फ देखे नहीं जाते, उन्हें जिया भी जाता है – संघर्ष, अनुशासन और समर्पण के साथ। नवोदय विद्यालय से निकले लगभग तीन दशक से ज्यादा हो गए पर अभी भी वही लगाव और अपनत्व बरकरार है। नवोदय ने हम सभी को बहुत कुछ दिया है, अब 'पे बैक टू सोसाइटी' की जरुरत है। गौरतलब है कि श्री कृष्ण कुमार यादव उत्तर प्रदेश के नवोदय विद्यालयों से सिविल सर्विसेज में सफल प्रथम मेधावी व्यक्ति रहे हैं। एक प्रशासक के साथ-साथ वरिष्ठ साहित्यकार और ब्लॉगर के रूप में भी ख्याति प्राप्त पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि, अधिकतर ग्रामीण पृष्ठभूमि के नवोदय विद्यार्थी आज जिन ऊँचाइयों पर हैं, उसका श्रेय नवोदय की नव उदय की उस भावना को जाता है, जहाँ जात-पात, धर्म, अमीर-गरीब, शहरी-ग्रामीण जैसे तमाम विभेद भूलकर सब सिर्फ एक सकारात्मक सोच के साथ नए पथ पर अग्रसर होते हैं। नवोदयी भावना एक ऐसा अनमोल रिश्ता है, जो हर नवोदयन के दिल में खास जगह बनाए हुए है। ये सिर्फ एक समूह नहीं, बल्कि एक ऐसा अनूठा परिवार है जिसमें अलग-अलग राज्यों या जिलों के नवोदय विद्यालय भले ही हों, लेकिन जज़्बा, अपनापन और यादों की मिठास सबमें एक जैसी है। भारत के उज्जवल भविष्य का निर्माण करने में नवोदयन्स की अहम भूमिका है। नवोदय परिवार आज भी बेहद संगठित है और लोग एक दूसरे से दिल से जुड़े हैं। सुख-दुःख में एक दूसरे के साथ जिस तरह से खड़े रहते हैं, वह मन में हैरत ही नहीं गर्व भी पैदा करता है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि 'हमीं नवोदय हों' की भावना के साथ आज नवोदय एक ब्रांड बन चुका है। नवोदय ने ग्रामीण भारत के होनहार बच्चों को न केवल उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा दी, बल्कि आत्मविश्वास, संस्कार और देशसेवा की भावना भी दी। नवोदय विद्यालय का विजन है, 'मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को उनके परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर ध्यान दिए बिना, गुणात्मक आधुनिक शिक्षा प्रदान करना, जिसमें सामाजिक मूल्यों, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, साहसिक कार्यकलाप और शारीरिक शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण घटकों का समावेश हो।' नवोदय विद्यालय का आदर्श वाक्य 'प्रज्ञानं ब्रह्म' ऋग्वेद के ऐतरेय उपनिषद से एक महावाक्य है, जिसका अर्थ है 'प्रकट ज्ञान या चेतना ही ब्रह्म है'। यह उच्च-गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए नवोदय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कांग्रेस पार्टी महिलाओं के स्वास्थ अधिकार सम्मान स्वाभिमान सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध संगीता गर्ग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय समन्वयक

एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की महासचिव श्रीमती संगीता गर्ग ने अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अलका लाम्बा के दिशानिर्देश पर रायबरेली संसदीय क्षेत्र में प्रियदर्शिनी उड़ान योजना को मूर्त रूप देने के लिए लगातार चार दिन का प्रवास किया इस योजना के तहत रायबरेली की प्रत्येक विधानसभा से 300 से 400 महिलाओं को गोद लेकर उन्हें हर माह निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए जाएंगे यह पहल महिलाओं के स्वास्थ्य स्वाभिमान और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है श्रीमती गर्ग ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकार सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है जबकि वर्तमान सरकार इन मुद्दों पर केवल घोषणाएं करती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं से जुड़े जमीनी मुद्दों की अनदेखी की जा रही है जबकि कांग्रेस पार्टी निरंतर धरातल पर कार्य कर रही है उन्होंने बताया कि प्रियदर्शिनी उड़ान योजना के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को गोद लेकर महिला कांग्रेस सुरक्षित माहवारी की दिशा में हर माह निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरित कर रही हैइस अभियान के तहत 11-12 अप्रैल को बछरावा विधानसभा क्षेत्र में दौरा कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गोद लिया गया तथा दूसरे एवं तीसरे माह के निःशुल्क सेनेटरी पैड एवं शैम्पू पाउच वितरित किए गए इससे पूर्व फरवरी माह में भी बछरावा विधानसभा में वितरण किया जा चुका है वहीं 13-14 अप्रैल को रायबरेली विधानसभा क्षेत्र में भी महिलाओं एवं बालिकाओं को गोद लेकर निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए गए श्रीमती गर्ग ने उत्तर प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर रही है उन्होंने कहा कि सुरक्षित माहवारी के लिए महिलाओं को सरकार की ओर से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाने चाहिए लेकिन इस दिशा में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला कांग्रेस ने शुरुआती तौर पर रायबरेली में हर घर हर महिला तक निःशुल्क सेनेटरी पैड पहुंचाने का संकल्प लिया है जिसके माध्यम से पार्टी हर घर तक अपनी पहुंच बनाकर महिलाओं को सीधे जोड़ने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर रही है इस अवसर पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती शैलजा सिंह व पदाधिकारियों ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने एवं इस योजना को व्यापक स्तर पर सफल बनाने का संकल्प लिया।

समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर ने डॉ भीमराव आंबेडकर जी की जयंती पर विभिन्न जगह पर किया कार्यक्रमों का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर ने महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता के अध्यक्षता में मंगलवार को बाबा साहब डॉ भीमराव

आंबेडकर जी की जयंती के शुभ अवसर पर नोएडा के लगभग 14 विभिन्न जगहों पर किया भव्य कार्यक्रमों का आयोजन तत्पश्चात सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय सेक्टर 53 कंचनजंगा मार्केट में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। साथ ही साथ उपस्थित वरिष्ठ नेताओं कार्यकर्ताओं व महिलाओं का सम्मान करने का भी काम किया गया। सपा महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि बाबा साहब ने संसार में समरसता, एकता का काम किया। डॉ भीमराव आंबेडकर ने संविधान में अमीर-गरीब, छोटे-बड़े सभी के लिए एक वोट का प्रावधान किया था। पूर्व जिला अध्यक्ष वीर सिंह यादव ने कहा कि गरीबों, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ों को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने की व्यवस्था के लिए उनके प्रयासों को भुलाया नहीं जा सकता।समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव सुनील चौधरी व भरत प्रधान व पूर्व अध्यक्ष सुबे यादव ने कहा कि डॉ आंबेडकर ने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में अहम भूमिका निभाई। बाबा साहब ने घोर अन्याय, अपमान को सहकर हम सभी को न्याय, सम्मान संविधान के माध्यम से दिया। महानगर महासचिव विकास यादव ने कहा कि सामाजिक, आर्थिक गैर बराबरी को बाबा साहब खत्म करना चाहते थे, लेकिन उसे पूरा नहीं कर पाए। हरपाल सिंह उदय सिंह राम सहेली व सभा की अध्यक्ष शालिनी खारी ने कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि राजनैतिक सत्ता वह चाभी है, जिससे हर सामाजिक ताले खोले जा सकते है। उपाध्यक्ष मोहम्मद नौशाद व मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि बाबा साहब ने एक सुंदर संविधान दिया। इससे हम सबको समानता के रूप में जीने का हक है। भाजपा शासन में दलितो को नौकरियों से वंचित किया जा रहा है। बाबा साहब ने हमें विपरीत परिस्थितियों में एक पवित्र संविधान दिया। सपा नोएडा महानगर में हुए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजकों के नाम इस प्रकार हैं। जोन वन में जगत चौधरी, मुन्ना आलम ,नन्हे आलम, जोन 2 में ओमपाल राणा शालिनी खारी, जॉन 3 में प्रवीण यादव केपी यादव जोन चार में मोहम्मद नौशाद अली शेर चौधरी जॉन 5 में भीष्म यादव ,अंकुर यादव ,कालू यादव, जॉन 6 में रेश पाल अवाना , राजेश अंबावता, जॉन 7 में जयकरण चौधरी,अमित बसोया, जॉन आठ में विवेक यादव, महकार तंवर, जॉन 9 में बबलू चौहान ,नितिन पर्चा, जॉन 10 में मनोज गोयल बाबूलाल बंसल जॉन 11 में विकास यादव हरपाल सिंह जॉन 12 में कालू यादव अनिल पंडित वीरपाल प्रधान जॉन 13 में राघवेंद्र दुबे वह सेक्टर 82 की सारी टीम, जॉन 14 में संजय त्यागी, रामवीर यादव, सोनू त्यागी, आज के इस कार्यक्रम में मौजूद मुख्य लोगों में सुभाष भाटी,भीष्म यादव, फूल सिंह नंबरदार ,मोहम्मद तसलीम,रामवीर यादव, वीरपाल प्रधान नीतीश बसोया रविंद्र यादव ,सतवीर यादव ,बबली शर्मा, राम सहेली , बिल्लू सैफी, राणा मुखर्जी, उदय सिंह,देवेंद्र खारी , तनवीर हुसैन, लोकेश यादव, गौरव यादव, रेणुका मेथी, सिकंदर पासवान, साहिल चौधरी,संजय यादव, महेश जाटव ,सुरेंद्र गौतम ,प्रेम सिंह ,रंजन कुमार,रंजीत पटेल, पंकज, संतोष, श्याम, मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जलवायु टावर्स सेक्टर-47 आरडब्ल्यूए चुनाव संपन्न, ज्योति त्रिपाठी नई अध्यक्ष निर्वाचित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-47 स्थित

जलवायु टावर्स में हुए आरडब्ल्यूए का चुनाव में ज्योति त्रिपाठी एवं उनकी टीम को निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव प्रक्रिया में बड़ी संख्या में निवासियों ने भाग लेकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। जलवायु टावर्स आरडब्ल्यूए के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट 2026-27 के चुनाव रिटर्निंग अफसर रिटायर्ड कमोडोर विजय भटनागर, अमृतांशु जैन तथा प्रमुख रिटर्निंग अफसर रिटायर्ड एयर वाइस मार्शल (एवीएम) जेएस पनेसर की देखरेख में हुआ। नवनिर्वाचित बोर्ड में ज्योति डी त्रिपाठी को प्रेसिडेंट चुना गया, जो सोसायटी के 20 वर्ष के इतिहास में पहली महिला अध्यक्ष बनी हैं। वाइस प्रेसिडेंट के रूप में गौरव अत्रि, जनरल सेक्रेटरी अमित भट्टाचार्य, जॉइंट सेक्रेटरी अंकुर भटनागर, ट्रेजरर ऋषि जैन और जॉइंट ट्रेजरर सौरभ श्रीवास्तव चुने गए। नवनिर्वाचित प्रेसिडेंट ज्योति डी त्रिपाठी ने कहा कि सोसायटी का समग्र विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर का बेहतर रखरखाव और आपसी भाईचारे को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता होगी। साथ ही उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य और सहभागिता को भी विशेष महत्व देने की बात कही। आसिम अफसर, गौतम पुरी, अनिल नेगी, राकेश राय, गौरव सिंह और डीपी सिंह सहित कई निवासियों ने विजयी टीम को बधाई दी।

नोएडा में श्रमिकों के आक्रोश के बीच शालिनी सिंह ने ग्राम हरौला में पहुंचकर जानी जमीनी हकीकत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। में चल रहे श्रमिकों के

आक्रोशित प्रदर्शन के बीच सामाजिक कार्यकर्ता शालिनी सिंह ने ग्राम हरौला पहुंचकर कंपनी में कार्यरत श्रमिकों, विशेषकर महिला श्रमिकों, से उनके घरों पर जाकर मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। दस कमरों में दस परिवार और एक बाथरूम और उनकी रहने की व्यवस्था देख शालिनी सिंह ने कहा कि अभी देश को इस आर्थिक स्थिति से आज़ाद कराना है। इस दौरान महिला श्रमिकों ने बताया कि उन्हें उनके नाम पर जारी की जाने वाली सैलरी, पीएफ एवं ईएसआईसी कटौती की सही जानकारी तक नहीं दी जाती। ठेकेदारी प्रथा ने झकझोर के रखा है उन्हें। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में दो दिन चली हड़ताल के दौरान, जब वे अपनी सुरक्षा के चलते घरों में थीं, तब भी उनका वेतन काट लिया गया, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। श्रमिकों ने आरोप लगाया कि उन्हें ओवरटाइम का उचित भुगतान नहीं मिलता और जरूरत पड़ने पर छुट्टी भी नहीं दी जाती। बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित होने पर दोहरी कटौती की जाती है, जिससे उनका आर्थिक शोषण हो रहा है। महंगाई के इस दौर में जहां गैस सिलेंडर की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और बच्चों की स्कूल फीस भी बढ़ती जा रही है, वहीं पिछले 9-10 वर्षों में उनकी सैलरी में मात्र 1000 से 1500 रुपये तक की ही वृद्धि की गई है, जिससे परिवार का भरण-पोषण करना बेहद कठिन हो गया है। इसके अलावा श्रमिकों ने कंपनी की कैंटीन में निम्न गुणवत्ता का भोजन मिलने, कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी पैदल तय करने की मजबूरी, तथा बीमार होने पर भी छुट्टी न मिलने जैसी गंभीर समस्याओं को भी साझा किया। शालिनी सिंह ने इस स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह श्रमिकों के अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने प्रशासन एवं संबंधित कंपनियों से मांग की कि श्रमिकों की समस्याओं का तत्काल संज्ञान लेकर उचित समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी श्रमिकों से शांति पूर्वक अपनी आवाज़ उठाने का आग्रह किया। इस दौरे पर युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह, अर्जुन प्रजापति, आकाश शर्मा और ग्रामवासी साथ रहे।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का संवेदनशील श्रवण, त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस

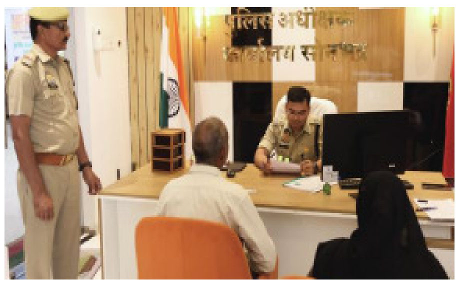

कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

थाना ओबरा पुलिस द्वारा 154 अभियोगों से संबंधित अवैध शराब का विनिष्टीकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा एवं अपर

पुलिस अधीक्षक श्री अनिल कुमार के कुशल निर्देशन में थाना ओबरा पुलिस द्वारा न्यायालय के आदेश के अनुपालन में विनिष्टीकरण की कार्यवाही संपन्न कराई गई। उक्त कार्यवाही के अंतर्गत थाना ओबरा पर पंजीकृत कुल 154 अभियोगों से संबंधित बरामद माल का नियमानुसार निस्तारण किया गया, जिसमें लगभग 1500 लीटर कच्ची शराब एवं 11500 लीटर अंग्रेजी शराब को मा0 न्यायालय एफटीसी सोनभद्र के आदेशानुसार विनष्ट किया गया। यह कार्यवाही पूर्ण पारदर्शिता एवं विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए अभियोजन अधिकारी, उप जिलाधिकारी ओबरा एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री अमित कुमार की उपस्थिति में संपन्न कराई गई। पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाया जा रहा है तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही जारी रहेगी।

आज जिला सेवायोजन कार्यालय में रोज़गार मेला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला सेवायोजन कार्यालय, सोनभद्र द्वारा जनपद

के बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए दिनांक 16.04.2026 को प्रातः 10:00 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने), लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है, जिसमें स्थानीय एवं बाहरी निजी क्षेत्र की लगभग 14 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी, जिसमें मुख्यतः विजन इण्डिया सर्विसेज प्रा0 लि0 (हिण्डालको इण्डस्ट्रीज, रेनुकूट, सोनभद्र), वाराणसी मोटर्स प्रा0 लि0, वाराणसी, के0जी0बी0एस0 इण्डिया प्रा0लि0, अलवर, ठाकुर पब्लिकेशन, लखनऊ, कैस्पर माइक्रो क्रेडिट, वाराणसी, रॉयल इनफील्ड, राबर्ट्सगंज, श्री श्याम मैन पॉवर सर्विसेज, मिर्जापुर, वड्डा एल0ई0डी0, रावर्ट्सगंज, सोलेरा इण्डस्ट्रीज, रावर्ट्सगंज, वृतिका इण्टरप्राईजेज, रावर्ट्सगंज, डीसेट्स, फरीदाबाद, फ्लीप कार्ट, राबर्ट्सगंज, क्रेडिट एक्सेस ग्रमीण लि0, राबर्ट्सगंज, एवं श्री राम फाईनेन्स, राबगंज इत्यादि कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्तियां की जाएगी। समस्त इच्छुक एवं योग्य बेरोजगार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार नियोजकों द्वारा जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने), लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में लिया जायेगा।

यह रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क है। इस हेतु कोई यात्रा व्यय देय नहीं होगा।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर श्रद्धांजलि एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को राष्ट्रीय लोकदल सोनभद्र के जिला कार्यालय पर भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही सम्मान एवं गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने की। अपने विस्तृत संबोधन में उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. अंबेडकर समतामूलक एवं शोषणमुक्त समाज के सिद्धांतों पर चलने वाले महान पुरुष थे। उनकी दूरदर्शी सोच और विचारधारा सदैव भारतवासियों का पथप्रदर्शन करती रहेगी। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता, न्याय और स्वतंत्रता की जो नींव रखी, वही आज हमारे लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। श्री त्रिपाठी ने आगे कहा कि चौधरी चरण सिंह ने बाबा साहब के सामाजिक न्याय और समान अवसर के सिद्धांतों को व्यावहारिक धरातल पर उतारने का कार्य किया। उन्होंने किसानों, मजदूरों और ग्रामीण भारत के उत्थान के लिए जो नीतियाँ बनाई, वे सीधे तौर पर अंबेडकर जी के समतामूलक समाज के सपने को साकार करने की दिशा में थीं। चौधरी चरण सिंह की राजनीति हमेशा गरीब, किसान और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई से जुड़ी रही, जो बाबा साहब के विचारों का ही विस्तार है।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ श्री प्रशांत विष्णु प्रताप सिंह ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में कहा कि बाबा साहब का जीवन हमें शिक्षा, संघर्ष और संगठन के महत्व को समझाता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में वास्तविक समानता और न्याय स्थापित किया जा सकता है।

जिला अध्यक्ष (अनुसूचित प्रकोष्ठ) श्री ओमप्रकाश भारती ने कहा कि बाबा साहब के विचार केवल एक वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे समाज के उत्थान का मार्ग प्रशस्त करते हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारों की रक्षा के लिए उनके सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।प्रदेश सचिव युवा श्री विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी समाज के हर वर्ग के लिए मार्गदर्शक हैं। हमें उनके आदर्शों को अपनाकर सामाजिक समरसता को मजबूत करना चाहिए।

जिला प्रवक्ता श्री मनदीप सिंह ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने का कार्य किया। उनके सिद्धांतों पर चलकर ही एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने तथा सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उक्त अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सह अध्यक्ष साधन सहकारी समिति श्री विनोद मिश्रा, श्री पवन शुक्ला, श्री अनिल प्रताप सिंह, श्री विकास पाण्डेय, श्री गंगेश्वर पटेल, धर्मेंद्र चौबे रोहित सिंह, श्री चंद्रभान संतोष यादव नीरज सोनी अनुज दुबे दिनेश पाण्डेय पटेल, श्री सुनील गुप्ता, श्री दामोदर पटेल समेत कई कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।।

कार्यालय ग्राम पंचायत पवर विकास खंड रॉबर्ट्सगंज जिला सोनभद्र

पत्रांक/ दिनांक-14.04.26

टेण्डर सूचना / 2026/27

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पवर में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा / VB-GRAM G/ राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/SLWM/ SBM/RGSA / SNA अन्य निधियो से प्राप्त धनराशि से निर्माण कराये जाने हेतु व्यापार कर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मों के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर, निम्न विवरणनुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। ईट प्रथम श्रेणी, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट, टैंकर क्रय, टैंकर मरम्मत बालू, डाला गिट्टी, सोलिंग गिट्टी, इंटरलॉकिंग ईट, सीमेंट, पटिया, टीन शेड, एजबेस्टेस सीट, शोचालय निर्माण सामग्री, PVC पाईप, बोल्डर, सरिया, स्टोन डस्ट, GSB, हैंडपंप सामग्री, हैंडपंप रिबोर / बोरं, पेन्टिंग सामग्री, ई रिक्शा, ढेला गाड़ी सफाईकर्मी किट, ह्युम पाईप, सीमेन्ट बेंच, लोहे का (दरवाजा, खिड़की, एंगल, पाईप), बिजली वायरिंग सामग्री, समरसिबल पंप, सोलर पंप, अन्य सामग्री। इच्छुक आपूर्तिकर्ता निविदा दिनांक- 17.04.26 से 18.04.26 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर जमा कर सकते है। जिसे दिनांक 20.04.26 को 01:00 बजे निविदा दाताओ जो उपस्थित रहना चाहते है के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोला जायेगा। टेंडर फार्म शुल्क रू0500 जमा कर निर्धारित अवधि में प्राप्त किया जा सकता है।

प्रतिबंध और शर्ते - 1-निविदा की सभी दरें कर सहित लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नहीं होनी चाहिए। 2 जमानत धनराशी और अन्य जानकारी हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। 3 खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जब्त कर ली जायेगी। 4-सशर्त निविदा स्वीकार्य नहीं की जायेगी। 5-बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

ग्राम प्रधान- विकास खंड-रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र।	ग्राम प. सचिव विकास खंड-रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र।	प्रीति पाठक ग्राम पंचायत अधिकारी विकास खंड-रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र।

सैमसन का बैट छूटा, त्यागी की बॉल पर आउट हुए,रघुवंशी-रहाणे के कैच ड्रॉप, नूर के 3 विकेट से पलटा मैच

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2026 के 22वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 32 रन से हरा दिया। चेपॉक स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में कई अहम मोमेंट्स रहे। संजू सैमसन ने तेज शुरुआत की, लेकिन उनका बैट छूटा और बाद में कार्तिक त्यागी की गेंद पर बोल्ड हो गए। मैच में अंगकृष रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे के आसान कैच छूटे और उन्हें जीवनदान मिला। नूर अहमद ने 3 विकेट लेकर मैच का रुख चेन्नई की ओर मोड़ दिया। संजू ने पहली 3 बॉल पर तीन चौके लगाए- संजू सैमसन ने सीएसके की पारी के पहले ओवर में वैभव अरोरा की बॉल पर लगातार 3 चौके लगाए। उन्होंने पहली, दूसरी और तीसरी बॉल बाउंड्री के बाहर भेजी। सैमसन का बैट छूटा-8वें ओवर की 5वीं गेंद पर वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर संजू सैमसन का बैट हाथ से छूट गया। पुल शॉट में पसीने से बैट फिसलकर मिड-विकेट की ओर गया। बॉल लॉन्ग ऑन की तरफ गई और गेंद हाथ से लगकर बाउंड्री पार गई और सिक्स मिला।

बल्लेबाजों ने एक रन लिया। कार्तिक की 148 किमी/घंटा रफ्तार की गेंद पर संजू बोल्ड-11.2 ओवर में कार्तिक त्यागी ने संजू सैमसन को 48 रन पर बोल्ड कर दिया। 148 किमी/घंटा की बॉल लेंथ पर पड़ी और अंदर आई। सैमसन बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन कनेक्ट नहीं कर सके और स्टंप्स बिखर गए। ऋतुराज से नरेन का कैच छूटा-चौथे ओवर की दूसरी बॉल पर ऋतुराज गायकवाड से सुनील नरेन का कैच छूट गया। नरेन ने अंशुल कम्बोज की बॉल मिड ऑफ में खेली, लेकिन गायकवाड आसान कैच नहीं पकड़ सके। नरेन 24 रन बनाकर कैच आउट हुए। ब्रेविस ने रघुवंशी का कैच छोड़ा, सिक्स मिला- 7.3 ओवर में अकील हुसैन की गेंद पर अंगकृष रघुवंशी ने पुल शॉट खेला, लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही। लॉन्ग-ऑन पर डेवाल्ड ब्रेविस कैच के लिए दौड़े, लेकिन सरफराज ने रहाणे को जीवनदान दिया-9.2 ओवर में अकील की गेंद पर अजिंक्य रहाणे का कैच सरफराज खान ने छोड़ दिया। डीप मिड-विकेट से दौड़ते हुए सरफराज ने दोनों हाथों से कोशिश की, लेकिन गेंद छूट गई और रहाणे को जीवनदान मिला। नूर अहमद के 3 विकेट ने पलटा मैच-नूर अहमद ने दो ओवर में 3 विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने 11वें ओवर की लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लिए। 5वीं गेंद पर अजिंक्य रहाणे एक्स्ट्रा कवर पर ऋतुराज गायकवाड़ के हाथों कैच आउट हुए। इसके साथ नूर ने आईपीएल में अपने 50 विकेट पूरे किए। अगली ही गेंद पर कैमरन ग्रीन बिना खाता खोले बोल्ड हो गए। इसके बाद 13वें ओवर की आखिरी बॉल पर रिंकू सिंह बड़ा शॉट खेलते हुए शिवम दुबे के हाथों कैच आउट हो गए।

4000 किलो मिलावटी जिंजर-गार्लिक पेस्ट जब्त,5 तरीकों से करें शुद्ध और मिलावटी की पहचान

लखनऊ। हाल ही में 'हैदराबाद फूड एडल्टरेशन सर्विलांस टीम' ने 4,032 किलो जिंजर-गार्लिक (अदरक-लहसुन) पेस्ट जब्त किया। साथ ही 6,210 किलो घटिया कच्चा माल भी सीज किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसे अनहाइजीनिक

तरीके से बनाया जा रहा था। अमूमन हर भारतीय किचन में हर रोज जिंजर-गार्लिक पेस्ट का इस्तेमाल होता है। ऐसे में फूड सेफ्टी मानकों के विपरीत तैयार पेस्ट सेहत के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज जिंजर-गार्लिक पेस्ट पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे- अनहाइजीनिक पेस्ट से क्या हेल्थ रिस्क हो सकते हैं? शुद्ध और मिलावटी पेस्ट में अंतर कैसे पहचानें? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः--डॉ. उमेश कुमार, फूड एनालिस्ट, फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, उत्तर प्रदेश जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- जिंजर-गार्लिक पेस्ट में किस तरह की मिलावट की जाती है? जवाब- मिलावटखोर ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए इसमें कई तरह की मिलावट करते हैं। जैसेकि- खराब क्वालिटी के अदरक-लहसुन इस्तेमाल करते हैं। मात्रा बढ़ाने के लिए आलू, कद्दू, आटा और स्टार्च जैसे सस्ते फिलर्स मिलाते हैं। स्वाद बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल फ्लेवर मिलाते हैं। शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए प्रिजर्वेटिव्स मिलाते हैं। पेस्ट को ताजा/आकर्षक दिखाने के लिए आर्टिफिशियल कलर मिलाते हैं। गाढ़ेपन के लिए थिकनर एजेंट्स मिलाते हैं। सवाल- क्या इसमें सड़े-गले अदरक-लहसुन का इस्तेमाल होता है? जवाब- हां, कुछ मामलों में सड़े-गले या खराब क्वालिटी के अदरक-लहसुन का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी खराब स्मेल दबाने के लिए ज्यादा नमक, प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं। सड़े माल से कलर बदलने पर आर्टिफिशियल कलर मिलाया जाता है। खराब क्वालिटी छिपाने के लिए ज्यादा तेल या स्टार्च मिलाया जाता है। ऐसे पेस्ट में बैक्टीरिया या फंगस पनप सकते हैं, जिससे फूड पॉइजनिंग, पेट दर्द, उल्टी-दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सवाल- इसमें आर्टिफिशियल कलर, फ्लेवर और प्रिजर्वेटिव्स क्यों मिलाए जाते हैं? जवाब- ये चीजें इसलिए मिलाई जाती हैं, ताकि- पेस्ट ज्यादा दिन तक खराब न हो। फ्रेश और नेचुरल दिखे। खुशबू, स्वाद बना रहे। खराब क्वालिटी का पता न चले। लागत कम हो। सवाल- पेस्ट की मात्रा बढ़ाने के लिए कौन-से सस्ते फिलर्स मिलाए जाते हैं?

जवाब- मात्रा बढ़ाने और लागत कम करने के लिए जिंजर गार्लिक पेस्ट में सस्ते फिलर्स मिलाए जाते हैं। ये दिखने और टेक्सचर में असली पेस्ट जैसे लगते हैं, लेकिन न्यूट्रिशन और क्वालिटी घटा देते हैं। जैसेकि- कॉर्न या अन्य स्टार्च। आलू का पेस्ट। कद्दू या लौकी का पल्प। मैदा, आटा। सवाल- जिंजर-गार्लिक पेस्ट में अमूमन कौन से इंग्रीडिएंट्स होते हैं? जवाब- इसमें बेसिक और एडेड इंग्रीडिएंट्स होते हैं, जो ब्रांड और क्वालिटी के हिसाब से बदल सकते हैं। अनहाइजीनिक जिंजर-गार्लिक पेस्ट में बैक्टीरिया, फंगस और हानिकारक टॉक्सिन्स हो सकते हैं, जिससे कई तरह के हेल्थ रिस्क हो सकते हैं। सवाल- अगर गलती से मिलावटी पेस्ट खा लिया तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में घबराने की बजाय तुरंत सही कदम उठाएं। जैसेकि- साफ पानी से कुल्ला करें। खूब पानी पिएं। स्वाद बहुत खराब है तो गुनगुना पिएं। नीबू पानी या ओआरएस लें। खिचड़ी, दही-चावल, केला जैसे सुपाच्य फूड लें। इन लक्षणों पर नजर रखें-पेट दर्द, मरोड़, उल्टी, मतली,दस्त (डायरिया),एसिडिटी या सीने में जलन,सिर दर्द या कमजोरी, तेज पेट दर्द, बुखार, डिहाइड्रेशन (मुंह सूखना, चक्कर आना) ये लक्षण दिखें तो डॉक्टर को दिखाएं। बिना डॉक्टरी सलाह के अपने मन से कोई दवाई न लें। सवाल- पैक्ड पेस्ट खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- पैक्ड जिंजर-गार्लिक पेस्ट खरीदते समय इन बातों का ख्याल रखें- इंग्रीडिएंट्स लिस्ट देखें। केमिकल्स या एडिटिव्स ज्यादा हों तो न लें। मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट चेक करें। एक्सपायरी डेट नजदीक हो तो न लें। सील चेक करें। लीक पैकेट न लें। एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर जरूर देखें। विश्वसनीय ब्रांड का पेस्ट खरीदें। बहुत सस्ता न खरीदें। खरीदने के बाद फ्रिज में स्टोर करें। सवाल- जिंजर-गार्लिक पेस्ट घर पर कैसे बना सकते हैं?जवाब- जिंजर-गार्लिक पेस्ट घर पर बनाना आसान, सस्ता और हेल्दी होता है। होममेड पेस्ट आमतौर पर फ्रिज में 5-7 दिन तक सुरक्षित रहता है, बशर्ते इसे साफ एयरटाइट कंटेनर में रखा जाए। तेल या नमक मिलाने से शेल्फ लाइफ थोड़ी बढ़ सकती है। सवाल- होममेड पेस्ट को स्टोर करने का सही तरीका क्या है? जवाब- होममेड जिंजर-गार्लिक पेस्ट को सही तरीके से स्टोर करना जरूरी है, वरना यह जल्दी खराब हो सकता है और हेल्थ रिस्क बढ़ा सकता है। ऊपर से हल्का तेल डालें। एयरटाइट कंटेनर में फ्रिज में स्टोर करें। सूखा और साफ चम्मच यूज करें। स्मेल, कलर या टेक्सचर बदलने पर यूज न करें। सवाल- कैसे पहचानें कि अब पेस्ट खराब हो गया है? जवाब- जिंजर-गार्लिक पेस्ट खराब होने पर ये संकेत दिखते हैं- खट्टी, सड़ी या अजीब गंध आना। असामान्य या धब्बेदार रंग दिखना। सफेद, हरे या काले धब्बे दिखना। ऊपर फफूंदी की परत बनना। बहुत पतला या चिपचिपा हो जाना। ऊपर पानी जमा होना। बहुत खट्टा, कड़वा या अजीब स्वाद लगना। सवाल- पेस्ट में मिलावट का शक हो तो कहां शिकायत करें? जवाब- अदरक-लहसुन पेस्ट में मिलावट का शक हो तो संबंधित फूड अथॉरिटी में शिकायत कर सकते हैं। एफएसएसएआई के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' एप से शिकायत दर्ज करें। एफएसएसएआई की वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत करें। राज्य के फूड सेफ्टी विभाग से संपर्क करें। नजदीकी नगर निगम या फूड इंस्पेक्टर को जानकारी दें। शिकायत के समय प्रोडक्ट की फोटो, पैकेजिंग और बिल जरूर शेयर करें।

सोया चंक्स के हेल्थ बेनिफिट्स,डाइटीशियन से जानें किन्हें नहीं खाना चाहिए

नयी दिल्ली। सोया चंक्स शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स है। इसमें प्रोटीन के साथ फाइबर, कैल्शियम और आयरन जैसे कई जरूरी पोषक तत्व भी होते हैं। ये मसल्स

और हड्डियों को मजबूत रखने व शरीर की इम्यूनिटी को सपोर्ट करने में मदद करता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइडटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से. 'नेशनल सेंटर फॉर कॉम्प्लिमेंटरी एंड इंटीग्रेटिव हेल्थ ' के मुताबिक, सोया चंक्स कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में मददगार हैं। इससे महिलाओं में मेनोपॉज के दौरान होने वाले हॉट फ्लैशेज (अचानक तेज गर्मी महसूस होना) से भी राहत मिलती है। कुछ स्टडीज में पता चला है कि इससे ब्रेस्ट कैंसर का रिस्क भी कम हो सकता है। साथ ही यह हड्डियों को मजबूत रखने और ब्लड प्रेशर को संतुलित करने में भी मददगार है। हालांकि, हर व्यक्ति में इसका प्रभाव अलग हो सकता है। फिर भी संतुलित मात्रा में सोया चंक्स आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद है। सवाल- सोया चंक्स में कौन-कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं? जवाब- 'यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर ' के मुताबिक, 100 ग्राम सोया चंक्स में लगभग 50 ग्राम प्रोटीन होता है, जो मसल बिल्डिंग और रिकवरी के लिए बेहद फायदेमंद है। सोया चंक्स वेजिटेरियन और वीगन लोगों के लिए प्रोटीन का एक बेहतरीन सोर्स है। इसमें कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम जैसे कई जरूरी मिनरल्स भी पाए जाते हैं।सवाल- सोया चंक्स कैसे तैयार किए जाते हैं? जवाब- सोयाबीन से तेल निकालने के बाद बचे हुए हिस्से को बारीक पीस लिया जाता है। फिर इसे प्रोसेस करके 'सोया चंक्स' बनाए जाते हैं। इसे बनाने की प्रक्रिया समझिए- कच्चे सोयाबीन से तेल निकालकर बचे हुए 'डी-फैटेड सोया फ्लोर' को पानी के साथ मिक्सर में मिलाया जाता है, जिससे गाढ़ी स्लरी बनती है। यह स्लरी सोया नगेट 'एक्सट्रूडर कुकिंग मशीन' में डाली जाती है। इसके अंदर स्लरी को हाई टेम्परेचर और प्रेशर पर पकाया जाता है। मशीन पके हुए सोया पेस्ट को कटर की मदद से छोटे-छोटे टुकड़ों में काट देती है। यह प्रक्रिया हाई प्रेशर में होती है, जिससे सोया चंक्स को स्पंजी

टेक्सचर मिलता है। इन छोटे-छोटे टुकड़ों को ड्रायर में सुखा लिया जाता है। इनकी क्वालिटी जांचकर अंत में पैक करके बाजार में भेज दिया जाता है।सवाल- सोया चंक्स हमारी सेहत के लिए कितने फायदेमंद हैं? जवाब- सोया चंक्स एक हाई-प्रोटीन, लो-फैट और फाइबर से भरपूर फूड है, जो शरीर की कई जरूरतों को पूरा करता है। जैसेकि- सोया चंक्स में लगभग 52फीसदी प्रोटीन होता है, जो मसल्स ग्रोथ और रिपेयर में मदद करता है। हाई फाइबर और लो फैट होने के कारण इससे पेट देर तक भरा रहता है। यह वेट मैनेजमेंट में सपोर्ट करता है। बैड कोलेस्ट्रॉल कम करके हार्ट हेल्थ को सपोर्ट करता है। कैल्शियम और फॉस्फोरस से भरपूर होने के कारण हड्डियों और दांतों को मजबूती देता है। आयरन से भरपूर होने के कारण हीमोग्लोबिन लेवल सुधारने में मदद करता है।इसमें मौजूद डाइटरी फाइबर पाचन बेहतर करता है। यह ब्लड शुगर कंट्रोल करने में भी मदद करता है। सोया चंक्स में पौधे में पाया जाने वाला 'आइसोफ्लेवोन्स' कंपाउंड होता है। ये मेनोपॉज से गुजर रही महिलाओं में हॉट फ्लैशेज जैसी समस्याओं को कम करता है। इसमें मौजूद फॉस्फोरस ब्रेन फंक्शन और मेमोरी को सपोर्ट करता है।सवाल- सोया चंक्स को अपनी डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं? जवाब- इसे अपनी रोजमर्रा की डाइट में आसानी से शामिल कर सकते हैं। जैसेकि- इसे सब्जी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। चावल से बने व्यंजन जैसे, पुलाव या फ्राइड राइस में इस्तेमाल हो सकता है। इसे सूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। सोया चंक्स को उबालकर सलाद में मिला सकते हैं। इसे सब्जियों के साथ हल्का सा भूनकर भी खा सकते हैं।सवाल- क्या सोया चंक्स के ज्यादा सेवन से कोई साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं? जवाब- हां, इसके ज्यादा सेवन के कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। जैसेकि- गैस, सूजन, अपच, दस्त, कुछ लोगों में सोया से एलर्जी भी होती है, जिससे खुजली, रैशेज या सांस लेने में परेशानी हो सकती है। सोया में मौजूद 'फाइटोएस्ट्रोजेन थायरॉइड' से पीड़ित लोगों में हॉर्मोनल असंतुलन हो सकता है। सवाल- एक दिन में कितना सोया चंक्स खाना सुरक्षित है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए एक दिन में 25 से 30 ग्राम सोया चंक्स सुरक्षित है। पकाने के बाद यह मात्रा लगभग एक बटे दो से 1 कटोरी हो जाती है।सवाल- क्या डायबिटिक लोग सोया चंक्स खा सकते हैं? जवाब- हां, इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स लो होता है। इसलिए यह ब्लड शुगर धीरे-धीरे बढ़ाता है। यह डायबिटिक लोगों के लिए बेहतर विकल्प है। सवाल- क्या बच्चों को सोया चंक्स देना सही है? जवाब- हां, सीमित मात्रा में बच्चों को सोया चंक्स दिया जा सकता है।

ये उनकी ग्रोथ, मसल डेवलपमेंट और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। अगर बच्चे को कोई हेल्थ कंडीशन है तो पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें। सवाल- किन लोगों को सोया चंक्स नहीं खाना चाहिए? जवाब- डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि कुछ लोगों के लिए सोया चंक्स नुकसानदायक हो सकते हैं। सवाल- मार्केट से सोया चंक्स खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- सोया चंक्स खरीदते समय उनकी क्वालिटी पर ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। जैसेकि- पैकेट पर एफएसएसएआई नंबर जरूर देखें। मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट भी चेक करें। देखें कि पैकेट सील्ड है या नहीं। अजीब गंध वाले सोया चंक्स न खरीदें। ब्रांडेड और भरोसेमंद कंपनी के सोया चंक्स चुनें। इंग्रीडिएंट लिस्ट देखें। चेक करें कि इसमें अनावश्यक केमिकल या एडिटिव्स न हों।

असली टेंशन तो इस खिलाड़ी ने दे रखी, 21 करोड़ में टीम में किया था शामिल

नयी दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का

आईपीएल 2026 में प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। एलएसजी ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया है लेकिन बल्लेबाजी में निराश किया है। टीम के टॉप ऑर्डर में कई बड़े नाम हैं जो अब तक अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। इसमें एक नाम ऐसा भी है जिसकी फीस 21 करोड़ लेकिन सीजन में अब तक एक भी 21 रन वाली पारी भी नहीं खेल सका है। हम बात कर रहे हैं एलएसजी के बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन की। टी20 फॉर्मेट में दुनिया के सर्वाधिक खतरनाक बल्लेबाज माने जाने वाले पूरन का बल्ला आईपीएल 2026 में शांत है। सीजन के 4 मैचों की 4 पारियों में उनके बल्ले से महज 41 रन आए हैं जिसमें सर्वाधिक स्कोर 19 रन है। पूरन मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं और अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से अकेले दम विपक्षी टीम पर दबदबा बनाने में पूरी तरह सक्षम हैं। वह एलएसजी के लिए कई बार पिछले सीजन और उसके पहले ऐसा कर भी चुके हैं लेकिन आईपीएल 2026 में उनका बल्ला पूरी तरह शांत है। पूरन की असफलता टीम की परेशानी का कारण बना हुआ है।

उनकी निराशाजनक फॉर्म की वजह से एलएसजी का मध्यक्रम अचानक बेहद कमजोर नजर आ रहा है। दूसरे युवा बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ रहा है जिसे वे अधिकांश मौकों पर नहीं झेल पा रहे हैं।

एलएसजी सीजन के 4 मैचों में 2 जीत के साथ अंकतालिका में 7वें स्थान पर है।

यह आंकड़ा और निराशजनक हो सकता था अगर कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकुल चौधरी की यादगार पारी नहीं आई होती। ऐसे में अगर एलएसजी को आगामी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए प्लेऑफ में जगह बनानी है तो पूरन का फॉर्म में लौटना बेहद जरूरी है।

पूरन को एलएसजी ने 2023 में 16 करोड़ में खरीदा था और आईपीएल 2025 से पहले 21 करोड़ में रिटेन किया था। आईपीएल 2025 में 14 मैचों में 196.25 की स्ट्राइक रेट से 524 रन बनाने वाले पूरन ने अपने आईपीएल करियर के 94 मैचों में 14 अर्धशतक लगाते हुए 32.87 की औसत से 2,334 रन बनाए हैं।

उनका ओवरऑल स्ट्राइक रेट 166.12 है। एलएसजी आईपीएल 2026 में बेहतर करे इसके लिए पूरन का फॉर्म में लौटना जरूरी है।

पूरन जो कर सकते हैं वो एलएसजी का कोई दूसरा बल्लेबाज नहीं कर सकता।

मैं हर वक्त ओवरथिंकिंग करता हूं,चाहकर भी ब्रेन को कंट्रोल नहीं कर पाता,क्या करूं

नयी दिल्ली। ओवरथिंकिंग एक ऐसा मेंटल प्रोसेस है, जिसमें व्यक्ति छोटी-छोटी घटनाओं के बारे में भी जरूरत से ज्यादा सोचता है और उसे बहुत बड़ा बना देता है। यह आदत धीरे-धीरे एंग्जाइटी और इनसिक्योरिटी को बढ़ाती है। इससे सेल्फ डाउट पैदा होता है। व्यक्ति फैक्ट और उस फैक्ट के अपने इंटरप्रिटेशन में फर्क नहीं कर पाता। इसका असर इमोशंस और व्यवहार, दोनों पर पड़ता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 28 साल का हूं और पेशे से इंजीनियर हूं। मैं हर चीज के बारे में बहुत ज्यादा सोचता हूं। मेरे मन में हमेशा बुरे ख्याल ही आते हैं। जैसे अगर पापा ने फोन पर कहा कि वो मेरे पास नहीं आ रहे हैं तो मैं घंटों ये सोचता रहूंगा कि क्या मेरी कोई बात उन्हें बुरी लग गई। क्या मुझसे कोई गलती हुई है, क्या मैंने पिछली बार कुछ कह दिया था। और ये हमेशा हरेक चीज के बारे में होता है। अगर लैंडलॉर्ड अंकल भी स्माइल का जवाब न दें तो मेरे मन में अजीब-अजीब से बुरे ख्याल आने लगते हैं कि ये मुझसे नाराज हैं। अब ये मुझे घर से निकाल देंगे। क्या ये

सिर्फ ओवरथिंकिंग है या कुछ और। मैं इस प्रॉब्लम से कैसे बाहर निकलूं? जवाब-केस का मनोवैज्ञानिक आकलन-1. मूल समस्या क्या है-इस केस में मुख्य समस्या घटना नहीं, बल्कि उसकी नकारात्मक व्याख्या है। जैसेकि- व्यक्ति छोटी-छोटी सोशल या इंटरपर्सनल घटनाओं का बहुत बड़ा अर्थ निकालता है। वह अस्पष्ट स्थितियों को नकारात्मक तरीके से समझता है। जरा सी बात को तुरंत अपनी गलती, अपनी कमी या अपना रिजेक्शन मान लेता है। उसका दिमाग एक ही विचार पर घंटों अटका रहता है। वह भविष्य को लेकर सबसे बुरी संभावना के बारे में सोचता है। 2. सोचने का तरीका (कॉग्निटिव पैटर्न) यहां सोच का एक खास तरह का पैटर्न दिखता है-माइंड रीडिंग (दूसरों के मन को पढ़ लेना) बिना किसी सबूत के मान लेना कि सामने वाला क्या सोच रहा है। पर्सनलाइजेशन (हर चीज खुद से जोड़ लेना) कुछ भी बुरा हो तो ये मान लेना कि ऐसा मेरी वजह से हुआ है।कैटेस्ट्रोफाइजिंग (सबसे बुरा सोच लेना) छोटी घटना से सीधे बड़े नतीजे पर पहुंच जाना। अब इस बात को अपने ही दिए उदाहरण से समझें। केस 1ः पापा का न आना-फैक्टः पापा मिलने नहीं आ रहे हैं। इंटरप्रिटेशनः-'क्या मैंने कुछ गलत कहा?' 'क्या वो मुझसे नाराज हैं?' 'क्या मुझसे कोई गलती हो गई?' यहां दिक्कत ये है कि दिमाग 'फैक्ट' से सीधे 'सेल्फ ब्लेम' पर चला जाता है। केस 2ः मकान मालिक ने स्माइल का जवाब नहीं दिया। फैक्टः उन्होंने स्माइल के जवाब में स्माइल नहीं दी। इंटरप्रिटेशनः-'वो मुझसे नाराज हैं।' 'अब वो मुझे घर से निकाल देंगे।' यहां एक न्यूट्रल घटना को भी खतरे की तरह देखा जा रहा है। 3. इसलिए बढ़ रही ओवरथिंकिंग-इवेंट- घटना समस्या नहीं है। इंटरप्रिटेशन- उसकी व्याख्या समस्या है। दिमाग अनिश्चितता को सहन नहीं कर पाता। इसलिए जल्दी से एक नेगेटिव कहानी बना देता है। यह कहानी बार-बार दोहराई जाती है, जिससे ओवरथिंकिंग बढ़ती है। ओवरथिंकिंग के संकेत-तिल का ताड़ और राई का पहाड़ बनाने से लेकर हमेशा बुरी और नेगेटिव संभावनाओं के बारे में सोचना ओवरथिंकिंग का संकेत हो सकता है।

खेल-खेल में बहुत कुछ सिखाया जा सकता है

एक कमरा चमकती स्क्रीनों से भरा है। लगातार कोड स्क्रॉल हो रहे हैं, जैसा मैट्रिक्स फिल्म में होता है। पूरा कमरा शीतल नीली रोशनी में नहाया है। टीम कांच का भारी दरवाजा धकेलती है और वह सरसराहट करता हुआ खुल जाता है। ब्रीफिंग के लिए तैयार

एक सीनियर एजेंट नए रिक्रूट्स को उनके 'ऑफिशियल इन्वेस्टिगेटर वेस्ट्स' देता है। एजेंट कमांड देता है, 'टीम, ध्यान से सुनो। शहर के सेंट्रल नेटवर्क में बड़ा डेटा ब्रीच हुआ है। जब हम बात कर रहे हैं तो वहां डार्क वेब पर निजी पहचानें नीलाम हो रही हैं। हमारे पास सोर्स पता लगाने, मालवेयर खत्म करने और वॉल्ट लॉक करने के लिए महज 20 मिनट हैं।' और 'ऑपरेशन डिजिटल शील्ड' शुरू होता है। जूनियर इन्वेस्टिगेटर्स अपने वर्क-स्टेशनों पर दौड़ते हैं। बाहर से ये महज बटनों को दबाने जैसा लगता है, लेकिन असल में यह टचस्क्रीन के जरिए कोड का अर्थ समझने के लिए एक फिजिकल और मेंटल पजल है। उन्हें 'करप्टेड' फाइल्स को स्कैन करना ही है। वे अजीब से संकेत और ईमेल्स में छिपे अटैचमेंट्स जैसी विसंगतियां ढूंढते हैं। अचानक स्क्रीन पर एक 'अर्जेंट मैसेज' पॉप-अप होता है- 'आपने फ्री गोल्डन टिकट जीता है। यहां क्लिक करें।' सभी चिल्लाते हैं- 'इसे न छूना, यह एक जाल है।' उन्हें ऐसे ही प्रशिक्षित किया गया है। यह एक फिशिंग ट्रैप था। इसीलिए वे उस संदिग्ध फाइल को डिजिटल क्वारंटाइन जोन में डालते हैं।जैसे ही फिजिकल खोज शुरू होती है, अचानक अलार्म लाल हो जाते हैं। 'घुसपैठिया लोकल है।' जूनियर इन्वेस्टिगेटर्स को हरकत में आना होगा। वे हाथ में पकड़ने वाले स्कैनर्स का इस्तेमाल करके कमरे में छिपे 'फिजिकल नोड्स' ढूंढते हैं। यह स्कैवेंजर हंट जैसा है, जिसमें पैनल के पीछे छिपे 'इन्फेक्टेड सर्वर' को खोजना है। इसके मिलते ही वे 'कास्परस्की सिक्योरिटी-की' के जरिए क्लीन-अप प्रक्रिया शुरू करते हैं।

अब मेन कंसोल पर लौटते हैं, जहां एक बड़ा प्रोग्रेस बार 'मालवेयर अटैक' आइकन से संघर्षरत है। जूनियर्स साथ मिलकर एक तेज मल्टी-प्लेयर जैसा काम कर रहे हैं। एक जूनियर आने वाले वायरस पैकेट्स को टैप करके 'ब्लॉक' करता है। दूसरा लॉजिक पजल्स हल करके एन्क्रिप्टेड पासवर्ड फिर-से बनाता है। टीम लीडर समन्वय करता है- 'फायरवॉल पर ध्यान दो। एन्क्रिप्शन लेयर में हमें और पावर चाहिए।' आखिरी क्लिक के साथ स्क्रीन हरी हो जाती है। उनका सिस्टम अब सुरक्षित है। इन्वेस्टिगेटर्स हाथ उठाते हैं, यानी 'मिशन पूरा' हुआ। चोरी हुआ डेटा वापस मिल गया और दूरदराज में बैठा 'हैकर' भी ट्रैक हो गया। इन्वेस्टिगेटर्स खुशी से चिल्लाते हैं। इसलिए नहीं कि उनकी सर्विस के लिए उन्हें 'किडजो' (किडजानिया करेंसी) मिले हैं, बल्कि इसलिए भी कि वे बच्चे हैं और एक सिमुलेशन गेम खेल रहे हैं। वे किसी असल साइट पर नहीं, मुंबई के एक मॉल में हैं। जाते समय सीनियर एजेंट उन्हें असल दुनिया के लिए आखिरी टिप देता है- 'याद रखना इन्वेस्टिगेटर्स, मजबूत पासवर्ड आपका सबसे बड़ा बचाव है। और जिस लिंक को आपने नहीं मांगा, उस पर कभी भरोसा मत करो।' 20 मिनट के इस मिशन के अंत तक ये 'जूनियर साइबर हीरोज' समझ जाते हैं कि हैकर्स भले तेज हों, लेकिन सही टूल्स के साथ एक बेहतर प्रशिक्षित इन्वेस्टिगेटर उनसे भी तेज होता है। यह मुम्बई में पिछले माह खुले एक मॉल में स्थित 'किडजानिया' का हिस्सा है, जहां बच्चे वयस्कों की तरह डिजिटल इन्वेस्टिगेटर की भूमिका निभाते हैं। इस गेम में बच्चे तीन सबक सीखते हैं। 1. फिशिंग स्कैम्स : फर्जी फ्री-ट्रिप ऑफर या गेमिंग करेंसी गिवअवे जैसे ट्रैप्स पहचानना। निजी जानकारियां चुराने वाले संदिग्ध लिंक व ईमेल पहचानना। 2. आइडेंटिटी थेफ्ट : गेम सिखाता है कि डिजिटल पहचान (जैसे घर का पता या फोटो) कितनी आसानी से चोरी हो सकती है और घुसपैठिया कैसे निजी डेटा तक पहुंच सकता है। 3. साइबरबुलीइंग : हानिकारक ऑनलाइन व्यवहार को पहचानना और सीखना कि प्राइवेट चैट या सोशल मीडिया पर उत्पीड़न से कैसे निपटा जाए।

फंडा यह है कि जब हम बच्चों को खेल-खेल में जीवन के महत्वपूर्ण सबक देते हैं तो उनके लिए असली दुनिया को समझना अधिक आसान हो जाता है। (एन. रघुरामन)

किसी को खरोंच मार के नहीं, अपने दम पर ही सफलता पाइए

कई साल मेरे पास लाइसेंस था, पर ड्राइव नहीं करती थी। डर लगता था। इस देश की सड़कों पर गाड़ी चलाना मतलब

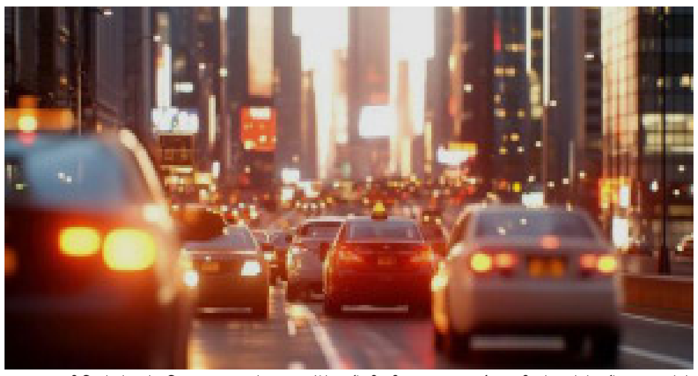

आप एक वीडियो गेम के किरदार से कम नहीं। कभी भी, कहीं से भी खतरा आ सकता है। कोई लेफ्ट से राइट टर्न लेना चाहता है, तो कोई गलत दिशा में चला रहा है। जिसको जान प्यारी है, उसे डर तो लगेगा ही! खैर, बेटी ने मुझे बढ़ावा दिया। तो फिर मैंने हिम्मत की और चलाना शुरू किया। 2014 में जो गाड़ी खरीदी थी, उसने अब लगभग 50,000 किमी तय लिए हैं। और हां, किसी ड्राइवर नहीं, मेरे ही हाथ से चली है। यह कमाल कैसे हुआ? पहली बात- मन को वश में किया। गाड़ी निकालने के पहले भगवान का नाम जरूर लेती हूं कि हे परमात्मा मेरी रक्षा करना। छोटी-मोटी टक्कर हुई है, तीन बार। एक मेरी गलती से, बाकी दूसरे से। मगर मैंने कभी झगड़ा नहीं किया। थोड़ा पैसा लगेगा, ठीक है। नहीं तो इंश्योरेंस से क्लेम कर लेंगे। मैं भी ठीक, आप भी ठीक, चलो शुक्र है। इस तरह पीस ऑफ माइंड बना रहा। हां, मैं गाड़ी अच्छी भी चलाती हूं, और ध्यान से भी। कोई ओवरटेक करना चाहता है तो मैं सोचती हूं- करने दो। इसमें ईगो नहीं लाती। वैसे कई बार वही गाड़ी अगले सिग्नल पर खड़ी हुई मिलती है। और मैं आराम से अपना गाना सुनते-सुनते उसी मुकाम पर पहुंच गई जिसके लिए वो उतावले हो रहे थे। वैसे सड़क पर मुझे दूसरी गाड़ियों से नहीं, टू व्हीलर से खतरा लगता है। खासकर बाइक चलाने वालों से। वो धुरंधर बन कर पाकिस्तान एंटर नहीं कर पाए। इसलिए अब, दो गाड़ियों के बीच पांच सेंटीमीटर की खाली जगह में घुसने का शौक रखते हैं। चाहे मेरी गाड़ी में खरोंच लगे, उन्हें क्या परवाह। बाइक वाले भी दो वैरायटी के होते हैं। एक होते हैं- 'यंग गन्स'। रो-धो कर मम्मी-पापा से बाइक मिली तोहफे में, या ईएमआई शुरू की अपनी पहली कमाई से। सोचा था सड़क पर धूम मचाएंगे, लेकिन फंस गए ट्रैफिक में। लड़कियों को घुमाने का चांस तो मिला, पर उन्हें बिठा दिया बिना हेलमेट के। दूसरी कैटेगरी में है- 'परेशान प्राणी'। उसकी उम्र हो गई है चालीस से ऊपर पर जीवन की दौड़ में कहीं वो थोड़ा पीछे रह गया है। वो बाइक यूज करता है भागम-भाग के लिए। घर से पांच मिनट लेट निकला था, शायद इधर-उधर बाइक घुसा कर टाइम से पहुंच जाऊं। फिर देखता है, ड्राइवर वाली गाड़ी में बैठा हुआ इंसान। जो आराम से ऑफिस पहुंचने के पहले अखबार पढ़ रहा है, या लैपटॉप पर काम कर रहा है। गुस्सा तो आता है। अगर इसकी महंगी गाड़ी पर दो-चार खरोंच लग जाएं, तो अच्छा होगा। क्या कर लेगा, मैं तो फरार। वैसे सच है कि टू व्हीलर और फोर व्हीलर में टक्कर हो जाए तो चौपहिया वाले की ही गलती मानी जाती है। चाहे बाइक वाला कितनी भी बेवकूफी से चला रहा हो। क्योंकि सड़क पर बेचारा गिरा पड़ा है, देखो- चोट तो नहीं लगी! सहानुभूति मिलती है कमजोर इंसान को। खैर, सड़क से हमारा कैरेक्टर पता चलता है। जर्मनी में हाईवे पर स्पीड लिमिट नहीं पर हर कोई नियम का पालन करता है।

हमारे देश में इधर-उधर कोने काट कर ही काम होता है, इसलिए सड़क पर भी वही हाल है। वैसे बढ़िया बात यह कि बड़े शहरों में अब मेट्रो की सुविधा आ गई है। सबसे विकसित देश वो, जहां छोटा-बड़ा हर इंसान पब्लिक ट्रांसपोर्ट में जाना पसंद करता है।

क्योंकि उसमें रफ्तार है, और आराम भी। अपनी कार या बाइक आप रखेंगे, थोड़ा घूमने-फिरने के लिए। भाग-दौड़ के लिए नहीं। अंत में कहूंगी, जीवन के रास्ते में टू-व्हीलर सोच मत अपनाइए। किसी और को खरोंच मार के नहीं, अपने दम पर सफलता पाइए। (ये लेखिका के अपने विचार हैं रश्मि बंसल)

सबरीमाला मंदिर के मामले में एक तीसरा पक्ष भी मौजूद है

नौ न्यायाधीशों की एक संविधान पीठ सबरीमाला मामले में सुनवाई कर रही है। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया था कि सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 वर्ष आयु की महिलाओं के प्रवेश पर रोक असंवैधानिक है और यह समानता तथा धर्मपालन की स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है। अब संविधान पीठ के समक्ष उद्देश्य यह है कि अन्य धर्मों में मौजूद भेदभावपूर्ण प्रथाओं की भी समीक्षा की जाए और इन मुद्दों पर संवैधानिक सिद्धांत स्थापित किए जाएं। अभी तक तो धार्मिक संगठनों- हिंदू और मुस्लिम दोनों ने ही यह रुख अपनाया है कि न्यायालयों के पास मूल धार्मिक प्रथाओं को निर्धारित करने का अधिकार नहीं है, क्योंकि ये आस्था से जुड़े विषय हैं। लेकिन सबरीमाला मामले में प्रश्न यह उठता है कि किसकी धार्मिक प्रथाएं? माला अरयन आदिवासी समुदाय केरल में सबरीमाला मंदिर का पारम्परिक संरक्षक हुआ करता था। 19वीं सदी के प्रारम्भ में मंदिर का नियंत्रण अपने हाथ में लेने से पहले ब्राह्मण उन अनुष्ठानों का पालन नहीं करते थे, जिन्हें वे आज संरक्षित करना चाहते हैं। माला अरयन आदिवासी मासिक धर्म वाली आयु की महिलाओं के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाते थे। वे उस शुद्धिकरण अनुष्ठान में भी विश्वास नहीं रखते थे, जिसे वर्तमान में मंदिर के तंत्रियों द्वारा किया जाता है। सबरीमाला मामला अब एक ऐसे परिदृश्य के रूप में उभरता है, जहां एक समूह दूसरे के क्षेत्र में अतिक्रमण कर रहा है, जबकि यह दूसरा समूह इस मंदिर का पारम्परिक संरक्षक रहा है। दोनों समूहों के अनुष्ठान भी अलग-अलग हैं : एक लैंगिक रूप से तटस्थ है, जबकि दूसरा महिलाओं- विशेषकर मासिक धर्म वाली आयु की महिलाओं के मंदिर में प्रवेश को मान्य नहीं करता है।माला अरयन आदिवासी समुदाय का दावा है कि सबरीमाला मंदिर

के देवता अय्यप्पन उनके पूर्वजों के आराध्य हैं। उनका कहना है कि लगभग 1800 ई. के आसपास उन्हें उनकी भूमि से बेदखल कर दिया गया। इसके बावजूद, उनके सदस्य मंदिर में लौटकर अपने अनुष्ठानों का पालन करते रहे हैं और आज भी सबरीमाला को अपने पूर्वजों का देवता मानते हैं। 2013 से वे केरल उच्च न्यायालय और राज्य सरकार के समक्ष कई बार याचिकाएं दायर कर चुके हैं, ताकि मंदिर के एक वार्षिक अनुष्ठान के तहत मकरविलक्कु प्रज्वलित करने के अपने अधिकारों को पुनः प्राप्त कर सकें। लेकिन न तो सरकार और न ही न्यायालयों ने अब तक कोई स्पष्ट निर्णय दिया है। ऐतिहासिक साक्ष्य संकेत देते हैं कि माला अरयन समुदाय के दावे उचित हैं। 19वीं सदी के मध्य में दक्षिण भारत की यात्रा करने वाले सैम्युअल मतीर ने अपनी पुस्तक नेटिव लाइफ इन त्रावणकोर (1883) में इस समुदाय और सबरीमाला मंदिर के बीच संबंध का उल्लेख किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि 19वीं सदी में भी मंदिर लंबे समय तक लैंगिक रूप से तटस्थ रहा था और 1950 के दशक तक भी इसमें महिलाओं को प्रवेश की अनुमति थी। मंदिर के अनुष्ठानों में पुरुषवादी प्रवृत्तियां 20वीं सदी के मध्य के आसपास बढ़ने लगीं और 1965 में 10 से 50 वर्ष आयु की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया। 2018 में सर्वोच्च अदालत के निर्णय के बावजूद, 10 से 50 वर्ष आयु वर्ग की बहुत कम महिलाओं ने सबरीमाला मंदिर में प्रवेश का प्रयास किया है। यानी अदालत का निर्णय भी व्यावहारिक स्तर पर वस्तुस्थिति बदलने में सक्षम नहीं हो पाया है। केरल में सत्तारूढ़ एलडीएफ सरकार ने सबरीमाला मामले पर अपने रुख में यू-टर्न ले लिया है। उसे इस निर्णय पर पछतावा हो सकता है, क्योंकि इससे महिलाओं, उदारवादी पुरुषों और आदिवासी मतदाताओं- तीनों के अलग-थलग पड़ने का जोखिम है। माला अरयन आदिवासी समुदाय का दावा है कि सबरीमाला मंदिर के देवता अय्यप्पन उनके पूर्वजों के आराध्य हैं। उनका कहना है कि लगभग 1800 ईस्वी के आसपास उन्हें उनकी भूमि से बेदखल कर दिया गया था। (ये लेखिका के अपने विचार हैं नीरज कौशल)

इस मौके का उपयोग मजबूत बनने में करें

दुनिया कई युद्धों में उलझी हुई है, गठबंधनों के स्वरूप बदल और बिखर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में जोर-जबर्दस्ती बढ़ रही है। इन वजहों का तकाजा है कि हम अपने भीतर झांक कर देखें। क्योंकि महाशक्तियों और आक्रामक पड़ोसियों की हरकतों

के चलते हमें एक ऐसा मौका उपलब्ध हुआ है, जिसका हमें इंतजार रहा होगा। यह कुछ बड़ी कमजोरियों को दूर करने, दुश्मन में खौफ पैदा करने की ताकत बनाने और अगले संकट के लिए खुद को तैयार करने का समय उपलब्ध करा रहा है। इसका बेशक यह मतलब भी है कि भारत खुद को अनुशासित रखे कि पाकिस्तान जब अपने लिए मौका देख रहा है तब हम हड़बड़ी में कोई प्रतिक्रिया न कर बैठें। हम तो यह विचार करें कि हमारे लिए सबसे जरूरी क्या है। पहले यह समझें कि जब हम यह कह रहे हैं कि दुनिया उलझी हुई है, तो इसका क्या मतलब है। पाकिस्तान पीस-ब्रोकर की भूमिका निभाकर खुश है। इसकी कोई गारंटी नहीं दी जा सकती मगर यह संभावना नहीं दिखती कि वह हमारे खिलाफ जल्द ही कोई दुस्साहस करेगा। उसके पिछले रिकॉर्ड को देखें तो यही कहा जा सकता है कि वह इस नए मौके को मुकम्मल बनाने और इसका पूरा आर्थिक और सैन्य लाभ उठाने की कोशिश करेगा। ट्रम्प ने ईरान में जो दुस्साहस शुरू किया था, उसे अपनी जीत के कुछ विश्वसनीय दावे के साथ खत्म करने का उन्हें कोई रास्ता खोजना है। इजराइल भी युद्ध के बाद की अपनी रणनीतिक चालों पर पुनर्विचार कर रहा है। अरब की खाड़ी के देश अब विचार करने लग गए हैं कि कौन दुश्मन है और कौन दोस्त है। हमारा नया दोस्त यूरोप और सबसे पुराना साझेदार रूस भी अपने निकट के पड़ोस को नई नजर से देख रहा है। यह हमारे दोस्तों को हमें लेकर उलझन में पड़ने से रोक रहा है। दूसरी आक्रामक ताकत चीन खामोशी से देख रहा है कि ज्यादा बड़ी ताकत ने किस तरह खुद को फंसा लिया है और वह 'उबरने' के लिए चीन से किस तरह संरक्षण की आस लगाए है। अब चीन नेपोलियन के सिद्धांत पर अमल करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को गलती करने से रोकने की कोशिश तो नहीं ही करेगा, बल्कि युद्ध से त्रस्त पश्चिम एशिया, खासकर ईरान के हालात का फायदा उठाने के लिए खुद को तैयार करेगा। अमन कायम होता है तो उसके बाद पुनर्निर्माण के लिए हजारों अरब डॉलर के वारे-न्यारे होंगे। उस क्षेत्र में ठेकेदारों की फौज उतर आएगी और निर्माण की क्रेनों की विश्वव्यापी कमी पड़ जाएगी। चीन इनमें से सारे तो नहीं मगर अधिकतर पर अपना कब्जा चाहेगा। जाहिर है, वह बड़ी उम्मीदें लगाए बैठा है। इसलिए भारत के साथ कोई नई गड़बड़ी अब उसकी प्राथमिकता में नहीं होगी। करीबी दोस्त, संभावित दोस्त और प्रतिद्वंद्वी जब इस तरह अपने में ही उलझे हुए हैं, तब भारत फिर से ऐसे दौर से गुजर रहा है जब वह शांति के साथ अपनी ताकत में इजाफा कर सकता है। आजादी के बाद से प्रायः हर पांच साल पर हम सुरक्षा को लेकर बड़े खतरे या युद्ध जैसी स्थिति का सामना करते रहे हैं। शुरुआत जम्मू-कश्मीर को लेकर दो लड़ाइयों से हुई; इसके बाद गोवा का मामला आया जहां पुर्तगाल 'नाटो' के अनुच्छेद 5 की आड़ में जमा हुआ था, उसे 1961 में मुक्त कराया गया; 1962, 1965, 1971 में चीन और पाकिस्तान से जंगें लड़नी पड़ीं, 1967 में नाथुला में भी अच्छी-खासी झड़प का सामना करना पड़ा। 1971 में पाकिस्तान की शिकस्त और उसके विभाजन से थोड़ी राहत तो मिली लेकिन 1986 के बाद से रणनीतिक खतरे लगातार उभरते रहे। चीन के साथ वांगडुंग/सुमदोरोंग चू में टक्कर और 1986-87 में 'ऑपरेशन ब्रासटैक्स', कश्मीर को लेकर 1990 में भी पाकिस्तान की ओर से युद्ध की धमकी और पहली बार परमाणु युद्ध की चेतावनी। इसके बाद आप गिनती जारी रख सकते हैं : करगिल युद्ध (1999), संसद पर हमला और ऑपरेशन पराक्रम (2001), 26/11 के हमले (2008) और इसके बाद उड़ी (2016), पुलवामा (2019), पहलगाम (2025)। इन सबके बीच चीन भी तनाव में इजाफा करता रहा, दो बार यूपीए के दौर में 2009 में दलाई लामा के अरुणाचल दौरे को लेकर और 2013-14 में देप्सांग और चूमर में झड़पों के कारण। इसके बाद पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध पैदा हुआ जिसे शांत तो कर दिया गया है मगर सुलझाया नहीं गया है। मामूली गणित बता देगा कि हर पांच साल पर संकट का सामना करना पड़ा। ऊपर जिन भटकावों का जिक्र किया गया है उन्होंने पांच-पांच साल के अमन वाले दौरों की शुरुआत भी की। मैं पांच साल वाले अंतराल पर ही इसलिए जोर दे रहा हूं क्योंकि आसिम मुनीर के कार्यकाल को विस्तार दिए जाने का सिलसिला 2030 में खत्म होगा। तब वे सिर्फ 62 साल के होंगे, जिस उम्र में भारत के सेनाध्यक्ष अपने नियमित कार्यकाल के बाद प्रायः रिटायर हो जाते हैं। लेकिन 2030 तक मुनीर पांच नहीं तो चार सेनाध्यक्षों के कार्यकाल के बराबर तो सेवा दे ही चुके होंगे। उनके मुल्क की जो हालत है और उसकी अर्थव्यवस्था की जो दशा है, उसके मद्देनजर हम कल्पना कर सकते हैं कि तब तक वे बुरी तरह अलोकप्रिय हो चुके होंगे। अगर कोई पाकिस्तानी तानाशाह अपने यहां असंतोष से निबटने के लिए भारत के साथ युद्ध के हालात पैदा करने के सिवा दूसरा कोई तरीका जानता है, तो वह अभी तक सामने नहीं आया है। चीन देख रहा है कि ट्रम्प अमेरिका को कमजोर कर रहे हैं और अपने गठबंधनों को तोड़ रहे हैं, ऐसे में उसे भी समय की जरूरत होगी। इसलिए हमने अपना आशावाद पांच साल तक ही सीमित रखा है। सेना का आधुनिकीकरण, ऊर्जा के मामले में निर्भरता, स्पेस इंटेलिजेंस व्यवस्था में खामी, खाद और अहम खनिज- इन चुनौतियों को पांच साल में दुरुस्त करना मुमकिन नहीं है, लेकिन आप खाइयों को पाट कर अगले संकट का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकते हैं। सेना के मामले में कुछ परिवर्तन तो आया है लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के एक साल बाद भी बातें ज्यादा हुई हैं, काम कम हुआ है। परिवर्तन की गति बढ़नी चाहिए। ऊर्जा का मामला ज्यादा जटिल चुनौती है। नई खोज से नतीजे हासिल होने में समय लगेगा। 1991 में हमने आर्थिक सुधारों को लागू किया और एक उभरती शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई। ऐसे में आर्थिक वृद्धि ही हमारा सबसे कारगर रणनीतिक प्रतिरोध है। अभी हमारे दोस्त और प्रतिद्वंद्वी दोनों ही उलझे हुए हैं... भारत के साथ कोई नई गड़बड़ी चीन और पाकिस्तान की प्राथमिकता में अभी नहीं होगी। इस तरह हम अपने प्रतिद्वंद्वियों की ओर से फिलहाल तो निश्चिंत हो सकते हैं। जब दोस्त और प्रतिद्वंद्वी सभी उलझे हुए हों, तब भारत चुपचाप अपनी ताकत में इजाफा कर सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं शेखर गुप्ता)

मस्क का मंत्र,असंभव लक्ष्य देकर टीम की सोच बदल दें

विश्वप्रसिद्ध आयरिश नाटककार व लेखक जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने लिखा था- 'तार्किक व्यक्ति खुद को दुनिया के अनुसार ढालता है, जबकि अतार्किक व्यक्ति दुनिया बदलने की कोशिश करता है; प्रगति ऐसे ही लोगों से होती है।' इलॉन मस्क इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। मंगल पर बसाहट या दिमाग में चिप लगाना भले पागलपन लगे, पर मस्क के लिए यही भविष्य गढ़ने का असली एल्गोरिदम है। टेस्ला के पूर्व प्रेसिडेंट जॉन मैक्नील ने किताब 'द एल्गोरिदम' में मस्क की कार्यशैली व टेस्ला के विकास के अनकहे पहलू सहेजे हैं। ये बिजनेस के साथ जिंदगी के प्रति भी नया नजरिया देंगे। लीडर्स से आम लोग तक इनसे सबक ले सकते हैं।दुनिया को अपने अनुसार ढालना-एक 'तार्किक' व्यक्ति वह है जो ऑफिस के नियमों व समाज की सीमाओं को मानकर चलता है। पर मस्क जैसे 'अतार्किक' लोग कहते हैं- कारें जमीन पर चलती हैं, तो मंगल पर क्यों नहीं?

हमारे नेता आज भी अटल जी से बहुत कुछ सीख सकते हैं

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशती-वर्ष पर आयोजित समारोहों का सिलसिला गत दिसम्बर तक चलता रहा था। इसी कड़ी में पूर्व मंत्री विजय गोयल ने वाजपेयी पर एक चित्रात्मक-जीवनी प्रकाशित करवाई है, जो

उनके जीवन की समृद्ध-झांकी पेश करती है। लेकिन जब तक हम उनकी विरासत के कुछ अहम सबकों को फिर से नहीं सीखते, हम देश के इस सच्चे सपूत का सही मायनों में अभिवादन नहीं कर पाएंगे। पहला सबक यह है कि लोकतंत्र में राजनीतिक विरोधी हो सकते हैं, लेकिन शत्रु नहीं। वाजपेयी संघ के निष्ठावान सदस्य और भाजपा के समर्पित सिपाही थे। लेकिन वे असहमत होने वाले लोगों के साथ भी सभ्य संवाद को तत्पर रहते थे। इसी के चलते राजनीतिक विचारधाराओं के परे भी उन्होंने सच्चे दोस्त बनाए। सच में तो हमें उस राजनीतिक दौर को ही पुनर्जीवित करने की जरूरत है, जिसमें जवाहर लाल नेहरू उस वक्त के युवा सांसद वाजपेयी में प्रधानमंत्री बनने की क्षमता बता कर उनकी सराहना किया करते थे। नेहरू ने यह बात तब कही थी, जब वाजपेयी ने 1962 के युद्ध के दौरान अपने भाषण में नेहरू की तीखी आलोचना की थी। इसी तरह, अटल जी ने कांग्रेस से गहरे मतभेदों के बावजूद 1971 के पाकिस्तान युद्ध में जीत के बाद इंदिरा गांधी की खुले दिल से प्रशंसा की थी। उनके जैसे महान नेताओं के लिए राजनीतिक विरोधियों का व्यक्तिगत अपमान असभ्यता की श्रेणी में आता था। उन्होंने एक बार कहा था कि 'मैं 1952 से चुनाव लड़ रहा हूं, लेकिन मैंने कभी किसी पर कीचड़ नहीं उछाला।'दूसरा सबक है राजनीति में नैतिकता का महत्व। कोई दल पूरी तरह से बेदाग नहीं, लेकिन फिर भी कुछ लक्ष्मण-रेखाएं होती हैं, जिन्हें बड़े नेता महज सत्ता में बने रहने या चुनाव जीतने के लिए नहीं लांघते। इसका सबसे अच्छा उदाहरण तब देखने को मिला, जब 1996 में वाजपेयी सरकार एक वोट से विश्वास-मत हार गई। उस मौके पर दिया वाजपेयी का भाषण नेताओं के लिए नित्य-पठनीय होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सत्ता में बने रहने की शर्त यदि पार्टी तोड़कर नया गठबंधन बनाना है तो वे ऐसी सत्ता को चिमटे से भी नहीं छुएंगे। इसकी तुलना आज से दौर से करिए, जहां धनबल और प्रलोभनों से विधायकों को तोड़कर सरकारें बनाई जाती हैं। खरीद-फरोख्त से बचाने के लिए जनप्रतिनिधियों को पांच सितारा होटलों की बाड़ेबंदी में रखा जाता है। तीसरा सबक है कि एक सच्चा स्टेट्समैन बनने के लिए आपको सफल राजनेता और अच्छा इंसान, दोनों बनना पड़ेगा। वाजपेयी के जीवन के कुछ पहलू काफी चर्चित हैं। गहराई और हास्यबोध से भरपूर उनकी वाकपटुता और इसके साथ ही उनका राजनीतिक संकल्प, जो उन्होंने पोकरण में दिखाया। लेकिन एक इंसान के तौर पर अपनी प्रवृत्ति, स्वभाव और आस्था से वे सच्चे लोकतांत्रिक थे। इसीलिए उनकी कैबिनेट एक 'कॉलेजियम' की तरह काम करती थी, जहां निडर होकर राय रखी जा सकती थी। आज की तरह नहीं, जहां अधिकतर दलों में कोई भी सुप्रीमो के खिलाफ आवाज उठाने की जुर्रत नहीं करता। वाजपेयी का राष्ट्रवाद किसी को वंचित करने वाला नहीं था। उन्होंने सत्ता को अहंकार में नहीं बदलने दिया। सभी का सम्मान किया और सवालों के लिए खुले रहे। एक बार तो उन्होंने एक पत्रकार को भी कड़े सवाल न पूछने पर टोक दिया था। उनसे जुड़ा एक किस्सा मेरे पास भी है। अटल जी ने मुझसे अपनी कविताओं का अंग्रेजी में अनुवाद करने को कहा था। जब हम प्रधानमंत्री आवास पर मिले तो मैंने कहा कि मेरी तीन शर्तें हैं। पहली, मैं उनकी राजनीतिक कविताओं का अनुवाद नहीं करूंगा। दूसरी, उनकी कविताओं में से भी मैं खुद ही चयन करूंगा। और तीसरी, मेरे कुछ अनुवाद देखने के बाद ही वे कोई अंतिम निर्णय लें। चिर-परिचित मुस्कान के साथ उन्होंने कहा, 'मंजूर है।' एक अदना-सा सरकारी संयुक्त सचिव प्रधानमंत्री के सामने शर्तें रख सके, यह बात बहुत कुछ कहती है। प्रकाशित पुस्तक की मेरी प्रति में उन्होंने लिखा कि 'पवन ने मेरी कविताओं का अनुवाद किया और उन्हें अधिक अर्थपूर्ण बना दिया।' वाजपेयी जी जैसी महान हस्ती को हमें महज सालाना समारोहों के जरिए नहीं, बल्कि उन आदर्शों को अपना कर जीवित रखना चाहिए, जिनके लिए वे हमेशा डटे रहे। वाजपेयी संघ के निष्ठावान सदस्य और भाजपा के समर्पित सिपाही थे। लेकिन वे असहमत होने वाले लोगों के साथ भी सभ्य संवाद को तत्पर रहते थे। इसी के चलते राजनीतिक विचारधाराओं के परे भी उन्होंने सच्चे दोस्त बनाए। (ये लेखक के अपने विचार हैं पवन के. वर्मा)

शिव भक्तों ने निकाली भव्य कलश यात्रा, डीजे की धुन पर झूमे श्रद्धालु

शिव भक्तों ने निकाली भव्य कलश यात्रा,कलश यात्रा में लगे भोलेनाथ के जयकारे,भगवा ध्वज लिए कलश यात्रा में शामिल हुए शिव भक्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र नगर के मां शीतला धाम के पास स्थित दूधेश्वर महादेव मंदिर के स्थापना दिवस पर मंगलवार को सुबह 10 बजे से रुद्राभिषेक आयोजन किया गया। जिसमें मंदिर प्रांगण में भारी संख्या में उपस्थित शिव भक्तों ने रुद्राभिषेक किया। इसके पश्चात मंदिर समिति द्वारा शाम 4:00 बजे से नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा दूधेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ हुई और संपूर्ण नगर में भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर पर जाकर सम्पन हुई। इस कलश यात्रा में शिव पार्वती के वेश में सजे कलाकार आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे।

शोभा यात्रा के दौरान माताये एवं बहने सिर पर कलश धारण किए भगवान शिव के भक्तिमय गीत गाते हुए चल रही थी तो दूसरी ओर डीजे के भक्तिमय धुन पर युवा और युवतियों के पैर थिरक रहे थे। इस कलश शोभायात्रा में नगर के सभी वर्ग के लोग भगवान भोलेनाथ का जयकारा लगाते हुए हाथों में भगवा ध्वज लिए गगनभेदी उद्घोष कर रहे थे। इस अवसर पर कृष्ण मुरारी गुप्ता, दीपक कुमार केसरवानी, रामजी मोदनवाल, मंगल केसरी, राजेश जायसवाल, किशोरी केसरी, पवन केसरी, गोविंद केसरी, सचिन गुप्ता, प्रतिभा, संगीता गुप्ता, केसरी, उमा केशरी, किरण केशरी, सीमा केसरी, लक्ष्मी केसरी, बीना केसरी, सपना केसरी, शालिनी केसरी, श्वेता केसरी, ऊषा देवी, अनीता देवी, निधि केसरी, आंचल केसरी, अंजना केसरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

उमरिया में धूम-धाम से मनाई गई सेन जी महाराज की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) उमरिया। सेन समाज विकास संगठन मध्यप्रदेश द्वारा उमरिया में मंगलवार को आयोजित सेन जयंती पर विशाल शोभायात्रा उमरिया शहर में हजारों लोगों के साथ ढोल एवं गाजे बाजे के साथ निकाली गई जो कि शासकीय सामुदायिक भवन से चलकर नगर भ्रमण करते हुए उमरिया रेलवे स्टेशन परिसर पर संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज की स्थापित प्रतिमा पर अशोक सेन प्रदेश अध्यक्ष सेन समाज विकास संगठन मध्य प्रदेश एवं पूरे जन शैलाब के साथ माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात लगभग 3-4 घंटे को शोभा यात्रा पूर्ण की गई। इसके बाद संस्कृतिक कार्यक्रम, देह दानियों द्वारा देहदान संकल्प, देहदान सम्मान, मुख्य अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों एवं तथा प्रदेश एवं पूरे देश की भिन्न भिन्न राज्यों से आए सामाजिक बंधुओं एवं संतों का सम्मान किया गया। इस मौके पर प्रदेश मीडिया प्रभारी रंजीत कुमार सेन, सीमा, सेन, किरन सेन, अंजली सेन (पत्रकार), आरती सेन, संतोष कुमार, एंड. प्रमोद कुमार, आदि संगठन के उपस्थित रहे।

बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भारतीय संविदा श्रमिक संगठन ने दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) चुर्क। मंगलवार को चुर्क क्षेत्र के ग्राम सभा कूरा मुसही में संविधान निर्माता,भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर भीमराव अम्बेडकर सेवा समिति मुसही में अंबेडकर पार्क में 135 वाँ जयन्ती समारोह के अवसर पर पूरे ग्राम सभा में रैली निकाली गई डीजे के धुन पर महिलाएं पुरुष और बच्चे झूमते नजर आए जगह-जगह शरबत और पानी की व्यवस्था की गई थी रैली ग्राम सभा घूमने के बाद चुर्क नगर होते हुए डॉक्टर भीमराव अंबेडकर पार्क में जाकर समापन हुआ जहां पर भव्य श्रद्धांजलि सभा और विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जितेन्द्र बाल्मिकी रहे इस कार्यक्रम में भारी संख्या में महिलाएं पुरुष बच्चे और पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके संघर्षों को याद किया। जयंती समारोह के दौरान संगठन की मजबूती और एकजुटता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। सभी लोगों ने बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलने और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जितेन्द्र बाल्मिकी ने बाबा साहेब के सिद्धांतों को आज के दौर में सबसे प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा मैं ऐसे धर्म को मानता हूँ जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाता है। बाबा साहेब ने न केवल संविधान की रचना की, बल्कि समाज के शोषित वर्गों को स्वाभिमान से जीने का मार्ग भी दिखाया। हमारे आप लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए उनके बताए समानता के सिद्धांत ही हमारे सबसे बड़े संबल हैं। बाबा साहेब को विनम्र नमन करते हुए उनके मूल मंत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा बाबा साहेब ने समाज को उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने के लिए एक सशक्त संवैधानिक आधार दिया है। आज जब मजदूरों का उत्पीड़न, ग्रामीण सुविधाओं का अभाव और शिक्षा के गिरते स्तर जैसे सवाल सामने हैं, तब यह जयंती केवल उत्सव नहीं बल्कि संकल्प का दिन है। बाबा साहेब के विचारों को धरातल पर उतारकर समाज में न्याय और समानता की स्थापना करना ही उनके प्रति वास्तविक आदर होगा।कार्यक्रम के अंत में सभी वक्ताओं ने समाज में भाईचारा बनाए रखने और बाबा साहेब के आदर्शों को आत्मसात करने पर बल दिया। उपस्थित जनसमूह ने शपथ ली कि वे समाज में समरसता और एकजुटता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।इस अवसर पर मुख्य रूप से जगरनाथ,केवल प्रसाद,सोनू निगम,रामकेश विश्वकर्मा, रविंद्र कुमार,राजन,हरिनंदन,रिषू कुमार,आशीष कुमार रोहित उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था में चुर्क चौकी प्रभारी विनोद कुमार यादव अपने टीम के साथ मौजूद रहे।

42वीं वाहिनी पीएसी नैनी में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी, प्रयागराज के वाहिनी सभागार में मंगलवार को भारतीय संविधान के जनक, भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की 135वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ शिविरपाल श्री अरविंद कुमार सिंह द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर वाहिनी के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने श्रद्धा-सुमन अर्पित कर बाबा साहेब को नमन किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए शिविरपाल श्री अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि बाबा साहेब का राष्ट्र निर्माण में योगदान अतुलनीय है। उन्होंने शिक्षित बनने, संगठित रहने और संघर्ष करने का जो मंत्र दिया, वह आज भी प्रासंगिक है। उनके द्वारा दिखाए गए समानता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर दलनायक श्री मिथिलेश कुमार राय, सहायक शिविरपाल श्री हरदास सहित वाहिनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बाबा साहेब के आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया गया।

महिला विंग से चेयरमैन चांदनी, पुरुष विंग से अधीक्षण अभियंता चन्द्रमा ने किया राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रमोशन

अम्बेडकर महोत्सव का साक्षी बना ओबरा का डॉ.भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम में ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र ने जगाई जागरूकता और अधिकारों की अलख

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ओबरा/सोनभद्र। तहसील ओबरा परिक्षेत्र में संविधान रचयिता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती की धूम के बीच विधिक साक्षरता एवं राष्ट्रीय लोक अदालत की जागरूकता की ललक और झलक दिखी। मंगलवार 14 अप्रैल 2026 को ओबरा के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में संविधान रचयिता भारत रत्न, मानवता के मर्मज्ञ, कानूनविद डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती महोत्सव में जहां महिला विंग की ओर से नगर पंचायत ओबरा अध्यक्ष श्रीमती चांदनी और पीएलवी निगार फ़रज़ाना ने जहां दिवस। की प्रासंगिकता को सार्थक कर राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रमोशन की कमान संभाल रखी थी वहीं पुरुष विंग की ओर से ताप विद्युत गृह ओबरा के अधीक्षण अभियंता इं. चंद्रमा प्रसाद, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा के प्राचार्य प्रो. प्रमोद कुमार एससी/एसटी शिक्षक महासभा के जिला अध्यक्ष रवीश कुमार, प्रो. सुभाष राम व अन्य गणमान्य समेत जिज्ञासुओं के साथ पीएलवी कमाल अहमद ने कमान संभाल रखी थी। इस दौरान ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र की ओर से तैनात स्थानीय पीएलवी/अधिकार मित्रों ने समानता और स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, सांस्कृतिक और शिक्षा संबंधी अधिकार, संवैधानिक उपचारों का अधिकार आदि मौलिक अधिकारों, जन अधिकार, महिला अधिकार के प्रति जहां लोगों को जागरूक किया वहीं संविधान रचयिता भारत रत्न मानवता के मर्मज्ञ डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके संघर्षों और सबके लिए न्याय, अधिकार आदि विषय पर लोगों को जागरूक किया। ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र द्वारा ओबरा के अलावा दुद्धी, घोरावल, राबर्ट्सगंज तहसीलों में सेवारत परा विधिक स्वयं सेवकों ने अम्बेडकर जयंती पर जन अधिकार और मौलिक अधिकारों सहित राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया। इस दौरान नगर पंचायत ओबरा अध्यक्ष श्रीमती चांदनी, मुख्य महाप्रबंधक ओबरा ताप विद्युत गृह इं. आरके अग्रवाल, महाप्रबंधक ओबरा सी एसके सिंघल, वरिष्ठ समाजसेवी राधा देवी, अधीक्षण अभियंता इं. चंद्रमा प्रसाद, प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा, डॉ. प्रमोद कुमार, प्राध्यापक रवीश कुमार ज़िला अध्यक्ष एस.सी/एस.टी, व्यापार मंडल के विशाल गुप्ता, निधि गौतम, सुनीता गौतम, पूनम मिश्रा, पूनम भारती, विकास चंचल, अमरनाथ उजाला, आनंद पटेल दयालु, रमेश यादव समेत परा विधिक स्वयं सेवक कमाल अहमद, निगार फ़रज़ाना सहित भारी संख्या में अनुयाई / समारोहक उपस्थित रहे।

पंजाबी समाज वेलफेयर सोसाइटी एवं आर0 डबल्यू0 ए0 सेक्टर 46 ने बैसाखी पर्व का भव्य आयोजन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बैसाखी पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार को सेक्टर 46 के कम्यूनिटी सेन्टर में एक भव्य और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने इस सांस्कृतिक उत्सव में बड़े पैमाने पर भाग लिया, जिससे एकता और हर्षोल्लास का माहौल बना। इस अवसर पर कार्यक्रम में गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश हुआ, जिनकी हजूरी में सुखमणी साहब का पाठ हुआ। इसके पश्चात बाबा सरबजीत सिंह जी जत्था फौज अकाल की द्वारा कीर्तन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में संगत ने अरदास की! इसके बाद अतिथि वक्ता वीर स्वर्ण सिंह स्वर्ण गुरमत परचारक ने अपने ओजस्वी भाषण में संगत को संबोधित करते हुए बताया कि बैसाखी केवल फसल का त्योहार नहीं है, बल्कि यह खालसा पंथ के स्थापना दिवस के रूप में सिखों के लिए आस्था, साहस और समानता का दिन है। यह एकता और भाईचारे का संदेश देता है। कार्यक्रम के पश्चात भारी संख्या में निवासियों ने गुरु के अटूट लंगर का लाभ लिया! इस अवसर पर पंजाबी समाज के अध्यक्ष राजीव कुमार, महासचिव अरुण भाटिया, कोषाध्यक्ष अविनाश सभरवाल, संरक्षक डा. डी. डी. अरोड़ा, एस. एस. घई, उपाध्यक्ष योगेश मलिक, सह सचिव रंधीर सिंह, गगनीश अरोड़ा, कंवीनर मोंटी कक्कड़, अलोक गोस्वामी, राजेश ग्रोवर, नरेश मेहता, संजीव मलिक, राजेश आहुजा, सतपाल खत्री, तपन कुमार, रमेश आस्था, राकेश अरोड़ा, निर्मल सिंह संधु, नोएडा पंजाबी समाज के अध्यक्ष राजीव अजमानी आरडब्ल्यूए सेक्टर 46 के अध्यक्ष टी. सी. गौड़, उपाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, सह सचिव ओमकार चौहान, संजय जैन, विनय चौहान आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी विशेष भूमिका निभाई।

डा भीमराव अम्बेडकर जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गयी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मंगलवार को भारत रत्न बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के पावन अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस गरिमामयी अवसर पर नोएडा के यशस्वी विधायक पंकज सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उपस्थित जनसमूह ने बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने बाबा साहब के विचारों–समानता, सामाजिक न्याय एवं शिक्षा–को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विधायक ने बाबा साहब के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं समाज के उत्थान के प्रति संकल्प के साथ किया गया। कार्यक्रम में राजेंद्र जाटव, वीर सिंह, विनोद कुमार, अनिल जाटव, लिखीराम, अमित त्यागी, ओमवीर अवाना, चंदगीराम यादव, संजय बाली, राजकुमार बंसल अशोक मिश्रा, प्रज्ञा पाठक, सुचित्रा कक्कड़, मनीष वाल्मीकि, हरिओम जाटव, पुष्पा रावत, मीनाक्षी चौहान, प्रदीप चौहान, मुक्तानंद प्रधान, पीसी पंचोली, मंगाराम, ममता तिवारी, साईमा, उषा थापा, तुषार गोयल, वंदना, ममता, शाइनी आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

गौरीगंज में कई जगह धूमधाम से मनाई गयी भारत रत्न डॉ बी आर अम्बेडकर की जयंती

डा0 अम्बेडकर झांकियों की रही भारी आमद, भीड़ बनी चर्चा का विषय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। जिला मुख्यालय में मंगलवार को भारत रत्न डॉ बी आर अम्बेडकर की जयंती कई जगह धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ से मनाई गयी। रणंजय इंटर कॉलेज के मैदान में अम्बेडकर जयंती का आयोजन अम्बेडकर महासभा गाडगे यूथ ब्रिगेड और प्रोटान के संयुक्त तत्वावधान में मनाई गयी। यहां पर शामिल रहे प्रमुख लोगों में संजय कनौजिया, के के कनौजिया, डॉ पीताम्बर कनौजिया, मनोज कुमार, रमेश कुमार, महेश कनौजिया, गुलाब पाल, अजय रावत एडवोकेट, मंशाराम मौर्य प्रबंधक, हरिश्चंद्र पाल, रामयश मौर्य, घनश्याम शर्मा रानीपुर, राजमणि शर्मा एम डब्ल्यू ओ, श्रीकांत शर्मा जिलापरिषद सदस्य दीपक शर्मा नंदवंशी, भोला शर्मा, दिलीप शर्मा कोटेदार, संतोष कुमार मौर्य, राधेश्याम सरोज, हरिश्चंद्र पाल, अभिषेक चौधरी, ममता, विभा कनौजिया, के पी सविता बौद्ध आदि रहे। यहाँ पर महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। बड़े पैमाने पर झांकियों की भागीदारी रही। तेजी का पुरवा के मैदान में अम्बेडकर कल्याण समिति के तत्वावधान में भी धूमधाम से डा0 अम्बेडकर जयंती मनाई गयी। यहां भी भारी भीड़ उमड़ी व बड़ी मात्रा में झांकियों की भागीदारी रही। यहां पर प्रमुख उपस्थित पदाधिकारियों व उपस्थित लोगों में धर्मेन्द्र बौद्ध, दयाशंकर सरोज, पवन कुमार, शिवहर्ष मास्टर, चंदन, भीम, अरुण कुमार शास्त्री, राम जियावन मौर्य, शीतला प्रसाद दाढ़ी, राम अभिलाष बौद्ध, राम अभिलाष मास्टर, राकेश यादव, राजेश सिंह, श्याम सुंदर जायसवाल, सुरेंद्र अम्बेडकर, हरिनाथ बौद्ध, जगन्नाथ पाल, रामशंकर यादव, शिवदर्शन बौद्ध, धर्मेंद्र कनौजिया, शीला मौर्य, रेखा बौद्ध, सुनीता कनौजिया, पूनम एडवोकेट, ध्रुव, राज कोटेदार कंधई राम बौद्धाचार्य, रामचंद्र मौर्य एडवोकेट, महेश कुमार मास्टर के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक एवं रचयिता बुद्ध चरित मानस प्रबंध काव्य और महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 शाखा जनपद अमेठी आदि रहे। यहाँ भी महिलाओं की तगड़ी भागीदारी रही। झांकियों की भागीदारी भी तगड़ी रही। दोनों जगह वक्ताओं ने भारत रत्न डा0 बी आर अम्बेडकर साहब के व्यक्तिगत जीवन संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके दलितों पिछड़ी जातियों अल्पसंख्यक जातियों व महिलाओं के अधिकारों के संबंध में किये गये कार्यों की सराहना की।राष्ट्रीय नाई महासभा के कार्यालय में भी डॉ अम्बेडकर साहब की जयंती संक्षेप में श्रद्धापूर्वक मनाई गयी। यहां उप स्थित रहे प्रमुख पदाधिकारियों में प्रांतीय उपाध्यक्ष घनश्याम शर्मा, जिलाध्यक्ष रामबरन शर्मा, रामनारायण शर्मा, पवन शर्मा, फौजी रमेश शर्मा, पप्पू शर्मा, राजकुमार शर्मा, रामप्रसाद, सतीश शर्मा, संतोष कुमार शर्मा, आदि रहे। कोतवाली के पास देव इंटरप्राइजेज में डॉ के डी सरोज के नेतृत्व में भी डॉ अम्बेडकर जयंती का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कहीं मुझे प्यार तो नहीं हो गया,हमेशा बस उसका ही ख्याल, न देखूं तो बेचैनी, ये प्यार है या सिर्फ अट्रैक्शन

नोएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं बीएससी सेकेंड ईयर का स्टूडेंट हूं। मेरी क्लास की एक लड़की से मेरी काफी अच्छी दोस्ती है। हम साथ बैठकर पढ़ते हैं और अपनी पर्सनल बातें भी शेयर करते हैं। वीकेंड्स पर हम साथ घूमने भी जाते हैं। पिछले कुछ समय से मुझे महसूस हो रहा है कि मेरे मन में उसके लिए अलग तरह की फीलिंग्स आने लगी हैं। उसे देखते ही खुशी होती है, उससे बात न हो तो बेचैनी होने लगती है। मैं अक्सर उसके बारे में ही सोचता रहता हूं। लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि ये सच में प्यार है या सिर्फ अट्रैक्शन। मैं अपनी फीलिंग्स को कैसे समझूं और इस सिचुएशन में मुझे क्या करना चाहिए? जवाब- आप जीवन के उस पड़ाव पर हैं, जहां भावनाएं बहुत तीव्र होती हैं। इस उम्र में किसी की तरफ अट्रैक्ट होना, हर वक्त उसके बारे में सोचना, बेचैनी होना बहुत स्वाभाविक है। ये अच्छी बात है कि आप अपनी भावनाओं को लेकर अवेयर हैं और जल्दबाजी में किसी फैसले से पहले इसे समझना चाहते हैं। चलिए अब आपकी उलझन को सुलझाने की कोशिश करते हैं।

प्यार और अट्रैक्शन में फर्क- प्यार और अट्रैक्शन के बीच थिन लाइन होती है, दोनों पेट में तितलियों जैसा एहसास कराते हैं। हालांकि, इनके मायने थोड़े अलग हैं। अट्रैक्शन-यह आमतौर पर बाहरी चीजों पर निर्भर करता है। जैसे लुक, स्टाइल, बात करने का तरीका, हंसी या कोई खास टैलेंट। यह बहुत तेजी से होता है और कई बार बहुत तीव्र भी होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि टिकाऊ भी हो। प्यार-यह एक गहरा एहसास है, जो समय के साथ विकसित होता है। यह सिर्फ बाहरी सुंदरता पर निर्भर नहीं होता है। यह व्यक्ति के विचारों, उसके स्वभाव, उसकी अच्छाइयों-कमियों

सबको स्वीकारने पर आता है। प्यार में स्थायित्व होता है और अक्सर लंबे समय तक टिका रहता है। ये प्यार है या आकर्षण? अपनी भावनाओं की गहराई नापने के लिए खुद से कुछ सवाल पूछें और ईमानदारी से उनके जवाब दें। यह कोई मनोवैज्ञानिक साइंटिफिक टेस्ट नहीं है। ये सवाल सिर्फ इसलिए है, ताकि आप खुद से पूछकर यह समझ सकें कि आप जो फील कर रहे हैं, वह प्यार है या आकर्षण। अगर सेक्शन 'ए' (प्यार) के ज्यादातर सवालों का जवाब 'हां' है तो इसका मतलब आप प्यार में हैं। अगर सेक्शन 'बी' (आकर्षण) के ज्यादातर सवालों का जवाब 'हां' है तो आपको आकर्षण है। यह वैल्यू जजमेंट की बात नहीं है। अगर प्यार है तो भी सुंदर है। अगर आकर्षण है तो भी उतना ही सुंदर है। अमूमन लोग अट्रैक्शन को 'कमतर' और प्यार को 'बड़ा' मानते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि कई बार गहरे प्यार की शुरुआत एक छोटे से आकर्षण से ही होती है। इसलिए अपनी फीलिंग्स को जज न करें।नतीजे पर पहुंचने की जल्दी क्यों? इस वक्त में जो है, उसे महसूस करें- आपकी उम्र अभी सिर्फ 21 साल है। यह करियर बनाने और खुद को समझने का समय है। इतनी जल्दी किसी रिश्ते को 'प्यार' का नाम देकर खुद पर दबाव न डालें। इस वक्त जो है, उसे महसूस करें। दोस्ती बहुत अनमोल होती है। हो सकता है कि आप दोनों का यह तालमेल समय के साथ और गहरा हो जाए और स्वाभाविक रूप से प्यार में बदल जाए। ये भी हो सकता है कि यह रिश्ता सिर्फ एक अच्छी दोस्ती ही रहे। जो भी हो, उसे स्वाभाविक तरीके से होने दें। कुछ भी 'चेज' (पीछा) न करें या जबरदस्ती हासिल करने की कोशिश न करें। इसके साथ आपको यह भी समझने की जरूरत कि प्यार वो नहीं है, जो किताबों में अक्सर पढ़ने को मिलता है। प्यार वो नहीं, जो रोमांटिक किताबें हमें बताती हैं-फिल्मों और किताबों में प्यार को अक्सर विरह, तड़प, बेचैनी और पागलपन की तरह दिखाया जाता है। जबकि असल जिंदगी में प्यार का पैरामीटर बिल्कुल बुनियादी होना चाहिए। प्यार वो नहीं है, जो आपको कमजोर या असुरक्षित बनाए। जब भी लगे प्यार है, खुद से पूछें ये सवाल-जिंदगी में जब भी ये कन्फ्यूजन हो कि ये प्यार है या नहीं, तो खुद से एक ही सवाल पूछें- 'जब मैं उसके साथ होता हूं, तो अपने बारे में कैसा महसूस करता हूं?' अगर किसी के साथ होकर आप खुद को ज्यादा बेहतर, ज्यादा आत्मविश्वास से भरे, ज्यादा सुरक्षित और खुश महसूस करते हैं, तो इसका मतलब कि वह एक हेल्दी रिश्ता है। अगर किसी के साथ आप खुद को इनसिक्योर, छोटा या परेशान महसूस करते हैं तो वह प्यार नहीं, बल्कि एक टॉक्सिक सिचुएशन हो सकती है। प्यार सिर्फ खुशी है, प्यार सुंदरता है, प्यार मौज है। प्यार दुख-दर्द, पीड़ा और बोझ नहीं है। अंतिम सलाह-अभी आप सिर्फ अपनी दोस्ती को एन्जॉय करें। एक-दूसरे को और बेहतर तरीके से जानें। वक्त को अपना काम करने दें। अगर यह सच्चा प्यार होगा तो यह समय की कसौटी पर खरा उतरेगा और आपको खुद-ब-खुद इसका जवाब मिल जाएगा। जल्दबाजी न करें, जर्नी का आनंद लें।

गीतकार हसरत जयपुरी की 104वीं बर्थ एनिवर्सरी,आखिरी सांस तक मामा के हाथ में कलम और किताब थी-भांजे डब्बू मलिक

मुंबई। हिंदी सिनेमा के दिग्गज गीतकार हसरत जयपुरी की 104वीं बर्थ एनिवर्सरी पर उनके भांजे डब्बू मलिक ने उनसे जुड़ी कई खास यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि हसरत जयपुरी न सिर्फ बेहतरीन शायर थे, बल्कि अपनी

निजी जिंदगी में बेहद सादगी और अपनापन रखने वाले इंसान भी थे। चौपाटी पर खिलौने बेचने और बस कंडक्टर की नौकरी से शुरू हुआ उनका सफर उन्हें फिल्म इंडस्ट्री के शीर्ष गीतकारों में ले आया। शंकर-जयकिशन और राज कपूर के साथ उनकी जोड़ी ने कई यादगार गाने दिए। आखिरी सांस तक उनके हाथ में कलम और किताब रही, जो उनके काम के प्रति जुनून को दिखाती है। डब्बू मलिक बताते हैं- हम बहुत छोटे थे, तब खार स्थिति मामा हसरत जयपुरी के घर पर जाते थे। घर से बालकनी से सटा उनका बेड होता था, जहां बैठकर वे पोयट्री लिखते थे। हमारी बचपन की यादें यह है कि बड़े-बड़े डायरेक्टर, प्रोडूसर, एक्टर का हुजूम उनसे मिलने के लिए घर आते थे। हम छोटे थे, तब इतना क्लीयर नहीं होता था कि लोग उन्हें इतना रिस्पेक्ट या इतना इंपोर्टेंस क्यों दे रहे हैं। यह जानने के लिए हमें वर्षों लगे। फिर धीरे-धीरे पता चला कि मामाजी बहुत बड़े गीतकार हैं। अब पीछे मुड़कर देखता हूं, तब पाता हूं कि बाप रे! इस इंसान ने इतना बेहतरीन काम किया। उनकी सबसे खूबसूरत चीज यह होती थी कि उनको किमाम पान और परफ्यूम का बड़ा शौक था। उसी तरह उनकी खुशबूदार पर्सनालिटी भी थी। उनका बहन-बहनोई आदि का काफी बड़ा कुनबा था और वे सबको बड़ा प्यार देते थे। सबका खयाल रखते थे, उनकी यह सबसे बड़ी विशेषता थी। लोगों की जिंदगी के बारे में सोचते थे और उसमें मग्न रहते थे। हम लोग सोचते थे कि उनका अटेंशन लेना भी बहुत मुश्किल था। बिकॉज, वे दिन भर गीत लिखने में लगे रहते थे। मुझे उनकी एक शाम की बात याद है, जो कभी भूलता नहीं हूं। वह यह है कि जय किशन की डेथ हुई थी। उस दिन नेशनल रेडियो पर उनका लिखा गीत पूरे हिंदुस्तान में बज रहा था। वह गीत था- 'गीतों का कन्हैया चला गया, अब गीत मेरे विरान हुए...', इसे सुनकर उनके आंसू रुक नहीं रहे थे। मुझे पता नहीं, शायद इसकी कम्पोजिशन शंकर-जयकिशन जी ने की होगी। लेकिन वह लम्हा कभी भुलाए भुला नहीं जाता। उनके गीतों पर शंकर-जयकिशन की जोड़ी ने बड़ा दिलकश काम किया है। मामा हसरत जयपुरी, मुझसे बेहद प्यार

करते थे। मैं उनका लाडला था, क्योंकि घर में सबसे छोटा मैं ही था। मुझे उनसे बहुत प्यार मिला। हालांकि उस समय वे काफी ओल्ड हो चुके थे, लेकिन उन्होंने मुझे प्रेडिक्ट किया था कि तुम्हारे अंदर भी एक संगीतकार छुपा है, तुम गाने बना सकते हो। मैंने बोला कि मैं तो कुछ सीखा ही नहीं हूं। उस समय तक वे जुहू स्थिति अपने बंगले में रहने के लिए आ गए थे। जुहू में उनका भव्य बंगला था। फाइनेंशियली बहुत ही सिक्योर इंसान थे। वे और उनकी वाइफ ने फैमिली के लिए बड़े-बड़े डिसीजन लिये। अपने जमाने में उनकी बहुत ही सक्सेसफुल फैमिली रही है। वे आने वाली 10 जेनरेशन को सिक्योर करके चले गए। इतने महान आदमी थे। लेकिन मैंने एक चीज देखी है कि आखिरी सांस तक उनके हाथ में कलम और किताब थी। मेरी मम्मी मिल्किस, हसरत जयपुरी की सबसे छोटी बहन थीं। वे मेरी मम्मी को बहुत प्यार करते थे। प्यार से मम्मी को नन्हूं (छोटी) बुलाते थे। उन्होंने गीत- 'सुनो छोटी-सी गुड़िया की लंबी कहानी...', मेरी मम्मी के लिए लिखा था। मेरी मम्मी के जीवन में जो संघर्ष था, उसे ध्यान रखते हुए लिखा था। पापा ने काफी स्ट्रगल देखा था। उनके लिए तो मम्मी 15-16 साल की बहन थी, जिनकी शादी 18 साल की उम्र में हो गई। उन्होंने बहन की सारी जिंदगी देखी। हालांकि अपने हिसाब से वे जो कुछ भी कर सकते थे, वह किया। लेकिन मम्मी को देखकर वे हमेशा कहते थे कि यह मेरी गुड़िया है। उनको इन सब चीजों की तकलीफ उठाने की जरूरत नहीं थी, तब उन्होंने यह गाना लिखा था। अपने काम के प्रति फोकस्ड थे-उनकी बहुत ही क्रिएटिव और बड़े कमाल की पर्सनालिटी थी। अपने काम के प्रति इतना फोकस्ड और इतना लीन होना उनसे सीखा जा सकता है। मतलब उनके पास किसी तरह का कोई डायवर्जन ही नहीं था। दिन भर लफ्जों की कहानी में बिजी रहते थे। उन्होंने कभी नॉर्मल जिंदगी जिया ही नहीं। हर एक पल, हर एक क्षण उनको सिर्फ म्यूजिक, लिरिक्स, गीत-गाने, मुखड़े ही सुनते थे। कमाल की शख्सियत थी। डायरेक्टर वगैरह से मिलना हो, तभी वे पार्टी-फंक्शन में जाते थे। अपने जमाने में राइटिंग कि हिसाब से कमर्शियल सक्सेसफुल इंसान रहे। उन्होंने अपने दौर में जो समय देखा है, वह कोई देख ही नहीं सकता। इतना पॉवर, इतनी कमर्शियल सक्सेस, बाप रे बाप! वॉव!! आज अतीत में जाएंगे, तब पाएंगे कि क्या गाने और क्या पिक्चर, क्या काम किया है। उनके बारे जितना सुना है, वह यह है कि वे अपनी फैमिली को संभालने जयपुर से मुंबई आए थे। यहां चौपाटी पर बैठकर खिलौने बेचते थे। फिर उनको बस कंडक्टर की नौकरी मिली। फिर किसी मुशायरे में बतौर पोएट उनको पृथ्वी राज कपूर मिले। पृथ्वी राज कपूर ने उन्हें रेकमेंड किया है कि मेरे बेटे राज कपूर से मिलिए। वहां से कहानी शुरू हुई। मैंने इतना मेहनत करने वाला इंसान अपनी जिंदगी में कभी नहीं देखा। 'बाहरों फूल बरसाओ...', 'लिखे जो खत तुझे...', 'तुम मुझे यूं न भुला पाओगे...', 'एहसास तेरा होगा मुझ पर...' 'जिन्दगी एक सफर है सुहाना...' आदि उनके लिखे मेरे पसंदीदा गानों की लिस्ट ही खत्म नहीं होगी। आज सोचता हूं कि इतना दिग्गज इंसान इस पृथ्वी पर आया और इतने अच्छे रोमेंटिक गाने लिखकर चला गया। हम तो सारी जिंदगी उनके मुरीद ही बने रहेंगे। कभी-कभी खुद को खुशकिस्मत समझते हैं, जो उनको दिल से दिल गले लगाने मौका मिला। हम उनको किस कर सके और वे हमारे माथे को चूम सके। यह हमारी किस्मत थी कि इतने बड़े आदमी का हमें प्यार मिला। उन्हें वेज-नॉन वेज सब पसंद था। उनके बेटे भी कहते हैं कि गाना और खाना उनका फेवरिट रहा है। वे अपनी बहन यानी मेरी मम्मी के हाथ का खाना खाने के लिए शंकर-जयकिशन, राज कपूर आदि के साथ घर आया करते थे। मेरी मम्मी बहुत अच्छा नॉन वेजिटेरियन बनाती थी। वे घर पर फोन करके बोलते थे कि नंदो से कहना कि आज शाही कबाब बना दें। मेरी मम्मी के खाने पकाने पर उनको बड़ा गर्व था। वे बड़े साधारण तरीके जन्मदिन मनाते थे। जन्मदिन पर गरीबों को खाना बांटते थे।

एक्टर ने जबरदस्ती एक्ट्रेस को बीफ खिलाने की कोशिश की-भड़के फैंस

मुंबई। मलयाली एक्टर और मॉडल शियास करीम पर

जबरदस्ती एक्ट्रेस को बीफ खिलाने के आरोप लगे हैं। इस घटना का एक वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद उनकी जमकर आलोचना भी की जा रही है। एक्टर शियास करीम का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो और एक्ट्रेस अनुमोल अनुकुट्टी, एक पार्टी में बुफे से खाना लेते नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस अनुमोल आगे चलती हुईं खाना निकाल रही हैं, तभी उनके पीछे खड़े एक्टर शियास उनसे बार-बार पूछते हैं- बीफ खाएगी। एक्ट्रेस ने साफ इनकार किया, तो एक्टर ने उनका मजाक भी बनाया। मना करने के बावजूद शियाज जबरदस्ती बार-बार पूछते हैं। इस पर एक्ट्रेस उन्हें नजरअंदाज करते हुए आगे निकल गईं।बता दें कि सामने आए वीडियो में एक्ट्रेस बीफ खाती नजर नहीं आई हैं और न ही शियास ने उनकी प्लेट में सर्व किया है। हालांकि इसके बावजूद एक्टर की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हो रही है। कुछ लोगों का कहना है कि मुस्लिम शियास को वैसे ही पोर्क खाने के लिए मजबूर करना चाहिए, जैसे वो अनुमोल को बीफ खाने के लिए कर रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद जहां कई लोग शियाज के लिए भद्दी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वहीं कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ऐसे भी हैं, जो ये दावा कर रहे हैं कि एक्ट्रेस अनुमोली बीफ खाती हैं। अनुमोल की कई तस्वीरें भी वायरल की जा रही हैं, जिनमें वो खुद अपने हाथों से बीफ सर्व करती दिखी हैं। कुछ यूजर्स का ये भी कहना है कि केरल में बीफ खाना आम है और वहां 80-90 प्रतिशत हिंदू भी बीफ खाते हैं, ऐसे में मामले को गलत रूप देना बिल्कुल गलत है। आलोचना होने और विवाद बढ़ने के बाद एक्टर शियाज करीम ने सफाई देते हुए ऑफिशियल इंस्टाग्राम से एक वीडियो पोस्ट की है, जिसमें वो साफ कह रहे हैं कि एक्ट्रेस अनुमोल बीफ खाती हैं, इसलिए उन्हें ऑफर किया गया था। शियाज ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी भी पोस्ट की है, जिसमें अनुमोली खुद बीफ खाती और सर्व करती नजर आई हैं। इसके अलावा भी उन्होंने बीफ की कई डिशेज के वीडियो पोस्ट किए हैं।

बता दें कि शियास को बिग बॉस मलयाली सीजन 1 से पहचान मिली थी। इससे पहले भी वो विवादों में रह चुके हैं। 2024 में उनकी जिम ट्रेनर ने उन पर शादी का झासा देकर रेप करने के आरोप लगाए थे।

वहीं एक्ट्रेस अनुमाल अनुकट्टी ने बिग बॉस मलयाली सीजन 7 जीता है।

जेल में तेज बुखार में तड़पते रहे विक्रम भट्ट, बोले भगवान से कहते थे- मैं यहां नहीं मरना चाहता

मुंबई। 30 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में दिसंबर से फरवरी तक जेल में रहे फिल्ममेकर विक्रम भट्ट ने जेल के दर्दनाक दिनों को याद किया है। फिल्ममेकर की मानें तो उन्हें कड़ाके की ठंड की वजह

से तेज बुखार हुआ, वो दर्द से कराह रहे थे, लेकिन वहां मौजूद पुलिसवाले उन्हें डॉक्टर के पास तक नहीं ले गए। जेल के कैदियों ने ही मदद की। ऐसे में वो भगवान से लगातार कहते थे कि वो जेल में नहीं मरना चाहते। विक्रम भट्ट ने जेल के दिनों को याद कर ऑफिशियल सोशल मीडिया से लिखा है-'पावर ऑफ प्रेयर्स उदयपुर जेल में मेरी कैद के लगभग तीन हफ्ते बाद, जनवरी की कड़ाके की ठंड में, एक रात मैं बैरक नंबर 10 में तेज बुखार के साथ कांपते हुए उठा। चार कंबल ओढ़ने के बाद भी ऐसा लग रहा था जैसे शरीर पर कुछ भी नहीं है। पास में सो रहे कैदियों ने मेरे लिए और कंबल जुटाए। मैंने पैरासिटामोल ली और सोचा कि ठीक हो जाऊंगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अगली सुबह मैं जेल के अस्पताल गया। वहां थर्मामीटर तक नहीं था। उन्होंने ऑक्सीजन चेक की और कहा कि सब ठीक है।' आगे फिल्ममेकर ने लिखा, 'मैंने कहा, ये मजाक है क्या? मुझे एंकिलोजिंग स्पॉनडिलोआर्थिटिस है, जो एक ऑटोइम्यून बीमारी है, और मेरे लिए तेज बुखार खतरनाक हो सकता है। आखिरकार डॉक्टर ने मुझे बाहर अस्पताल ले जाने के लिए एक नोट लिख दिया। लेकिन कोई आया ही नहीं। पहले पुलिस एक वीआईपी की सुरक्षा में व्यस्त थी। फिर एक आदिवासी मेले में। दिन पर दिन मैं बैरक में इंतजार करता रहा। मेरे दिन दर्द में बीतते थे, और रातें बुखार में।' आगे भावुक होकर फिल्ममेकर ने लिखा, 'एक समय ऐसा आया जब मुझे समझ आ गया कि मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। तो मैंने वही किया जो मैं कर सकता था। मैंने तेल और नमक खाना बंद कर दिया, जितना हो सके पानी पिया, और बैरक में लगी देवी की एक बड़ी तस्वीर के सामने बैठ गया। और मैंने प्रार्थना की। मैंने कहा, 'अगर आप हैं, अगर मेरी प्रार्थनाओं का कभी कोई मतलब रहा है, तो मुझे एक चमत्कार दिखाइए। मैं यहां मरना नहीं चाहता। मेरे बच्चों को मेरी जरूरत है। मेरी पत्नी को मेरी जरूरत है। मेरे 90 साल के पिता को मेरी जरूरत है।'' आखिर में फिल्ममेकर ने लिखा, 'हर दिन मैं प्रार्थना करता रहा। और धीरे-धीरे, कुछ बदलने लगा। बुखार कम होने लगा। दर्द धीरे-धीरे घटने लगा। दिन-ब-दिन मैं ठीक होने लगा। एक सुबह मैंने देवी की ओर देखा और बस इतना कहा, 'मुझे मेरी जिंदगी वापस देने के लिए धन्यवाद।'' जेल अधिकारियों पर लापरवाही करने के आरोप भी लगाए- अपनी पोस्ट में विक्रम भट्ट ने जेल प्रशासन पर लापरवाही करने के भी आरोप लगाए हैं। उन्होंने लिखा है कि शिकायत करने के 15 दिन बाद पुलिसवाले उन्हें अस्पताल ले जाने आए थे, लेकिन तब तक वो ठीक हो चुके है। इस पर उन्होंने पुलिसवालों से कहा था, 'जनाब, आप करीब 15 दिन देर से आए हैं। शायद आप मेरे भूत को देखने आए हैं।' जब उन्होंने अधिकारी से पूछा कि अगर ये इमरजेंसी होती तो वो क्या करते, जवाब मिला, 'ओह, तब हम आपको जेल गाड्र्स के साथ भेज देते।' इस पर विक्रम लिखते हैं, 'वे मुझे पहले भी भेज सकते थे। शायद उन्होंने नहीं भेजा। या शायद भगवान मुझे पहले कुछ सिखाना चाहते थे। इसलिए जब लोग कहते हैं कि भगवान नहीं है, तो मैं बहस नहीं करता। मैं बस मुस्कुरा देता हूं। क्योंकि कुछ चमत्कार सिर्फ उसी को दिखाई देते हैं, जिसे उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है।' ढाई महीने जेल में रहे, जानिए क्या था विवाद-राजस्थान के इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के मालिक डॉ. अजय मुर्डिया ने 17 नवंबर को विक्रम भट्ट समेत 8 लोगों के खिलाफ 30 करोड़ की धोखाधड़ी की एफआईआर उदयपुर में दर्ज कराई थी। डॉ. अजय मुर्डिया का आरोप है कि एक इवेंट में उनकी मुलाकात दिनेश कटारिया से हुई थी। दिनेश कटारिया ने उन्हें पत्नी की बायोपिक बनाने का प्रस्ताव दिया। इस सिलसिले में दिनेश कटारिया ने 24 अप्रैल 2024 को मुंबई स्थित वृंदावन स्टूडियो बुलाया था। कटारिया ने उन्हें विक्रम भट्ट से मिलवाया, जहां भट्ट से बायोपिक बनाने पर चर्चा हुई थी। कुछ दिन बाद विक्रम और श्वेतांबरी भट्ट ने डॉक्टर अजय मुर्डिया को कहा- 7 करोड़ रुपए और फाइनेंस करके वे 4 फिल्में 47 करोड़ में बना सकते हैं। इन फिल्मों की रिलीज से 100 से 200 करोड़ रुपए तक मुनाफा हो जाएगा। इसके बाद उनके स्टाफ में अमनदीप मंजीत सिंह, मुदित, फरजाना आमिर अली, अबजानी, राहुल कुमार, सचिन गरगोटे, सबोबा भिमाना अडकरी के नाम के अकाउंट में 77 लाख 86 हजार 979 रुपए ट्रांसफर करवाए। इस तरह 2 करोड़ 45 लाख 61 हजार 400 रुपए ट्रांसफर किए। वहीं इंदिरा एंटरटेनमेंट से 42 करोड़ 70 लाख 82 हजार 232 रुपए का भुगतान किया गया, जबकि चार फिल्मों का निर्माण 47 करोड़ में किया जाना तय हुआ था।

दिब्येंदु बोले- रेस्पेक्ट मांगी नहीं जाती, काम से मिलती है जीवन में बहुत रिजेक्शन झेले

मुंबई। 'मामला लीगल है' के दूसरे सीजन के साथ दिब्येंदु भट्टाचार्य फिर चर्चा में आए। उन्होंने करियर, स्ट्रगल और नए प्रोजेक्ट्स पर बातचीत की। उन्होंने बताया कि इस सीजन में कहानी पहले से ज्यादा गहरी हो जाती है। इसमें इंटरनेशनल रिलेशन, फिलॉसफी और कैपिटल पनिशमेंट जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं।शो सिर्फ एंटरटेनमेंट नहीं, सोचने पर मजबूर करने वाला अनुभव बनता है। उन्होंने 'अनदेखी 4', 'अल्फा' और 'गुलाबी' पर अपडेट दिए। अमिताभ बच्चन, आमिर खान और हुमा कुरैशी के साथ काम के अनुभव साझा किए। मुंबई के शुरुआती संघर्ष और घर बनाने की जद्दोजहद भी याद की। सीजन में क्या खास है पर उन्होंने बताया-ज्यादा बताऊंगा तो स्पॉइलर हो जाएगा, लेकिन पहले सीजन में एक मजबूत दुनिया बनाई गई थी। दूसरे सीजन में वही दुनिया और गहरी हो जाती है। इस बार इंटरनेशनल रिलेशनशिप, फिलॉसफी और मेरे किरदार के जरिए अहम मैसेज देने की कोशिश

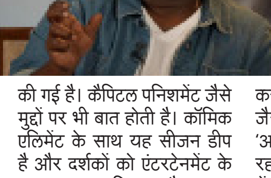

की गई है। कैपिटल पनिशमेंट जैसे मुद्दों पर भी बात होती है। कॉमिक एलिमेंट के साथ यह सीजन डीप है और दर्शकों को एंटरटेनमेंट के साथ बहुत कुछ सिखाता है। सवालः फिल्म 'अल्फा' और आलिया भट्ट के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? जवाबः फिल्म के बारे में अभी ज्यादा नहीं कह सकता, क्योंकि एनडीए में है। यह एक बड़ी फिल्म है। आलिया भट्ट बहुत अच्छी एक्ट्रेस और शानदार इंसान हैं। उनसे मुलाकात वेब सीरीज 'पोचर' के दौरान हुई थी, जहां वो एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर थीं।सवालः वेब सीरीज 'अनदेखी 4' में क्या नया देखने को मिलेगा? जवाबः 'अनदेखी' की दुनिया वही है, लेकिन कहानी में नए ट्विस्ट आते हैं। यह बिंज-वॉच शो है। एक बार देखना शुरू करेंगे तो खत्म करके ही उठेंगे। जैसे जिंदगी बदलती है, वैसे ही 'अनदेखी' की दुनिया भी बदलती रहती है। सवालः फिल्म 'गुलाबी' में हुमा कुरैशी के साथ आपकी केमिस्ट्री कैसी रही? जवाबः हुमा कुरैशी शानदार एक्ट्रेस और बहुत अच्छी इंसान हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।